सब का सपना

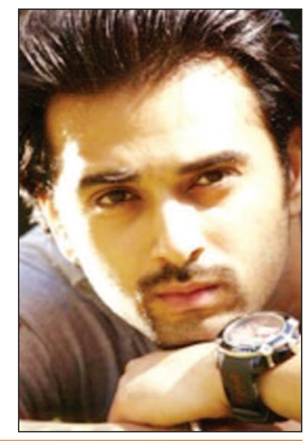

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल पेज: 7

हाई-ऑ टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉ सर के रूप में पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 296 | गुरुवार 05 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बड़ा मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने जैशे के 2 आतंकियों को घेरा

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के रामनगर के जोफर इलाके में सुरक्षा बलों का जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध आतंकवादियों से संपर्क स्थापित होने के बाद गोलीबारी शुरू हो गई। इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली खुफिया जानकारी के बाद शुरू किए गए एक त्वरित पीछा अभियान के दौरान गोलीबारी हुई। शुरूआती आकलन से पता चलता है कि मुठभेड़ स्थल पर कम से कम दो जैश आतंकवादी छिपे हुए हैं। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का संयुक्त अभियान फिलहाल जारी है। अतिरिक्त बल को इलाके में भेज दिया गया है और किसी भी प्रकार की घुसपैठ रोकने के लिए सभी प्रवेश और निकास मार्गों को सील कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्टों के आधार पर यह अभियान शुरू किया गया, जिनमें पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद समूह से जुड़े माने जा रहे दो-तीन संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधियों का

मलेशिया यात्रा के दौरान पीएम मोदी चलने वाले हैं बड़ा कूटनीतिक दाँव, दक्षिण पूर्व एशिया में भारत देगा मजबूत दस्तक

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 और 8 फरवरी को मलेशिया की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा कई मायनों में विशेष है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री की मलेशिया की यह तीसरी यात्रा होगी और अगस्त 2024 में भारत और मलेशिया के संबंधों को व्यापक सामरिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने के बाद यह पहली यात्रा है। ऐसे समय में जब विश्व राजनीति में संतुलन बदल रहा है, तब यह यात्रा भारत की सक्रिय और आत्मविश्वासी विदेश नीति का स्पष्ट संकेत है। हम आपको बता दें कि कुआलालंपुर में दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच विस्तृत वार्ता होगी जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, समुद्री सहयोग, डिजिटल तथा वित्तीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति,

पर्यटन और जन से जन संपर्क जैसे अनेक विषय शामिल रहेंगे। साथ ही भारत मलेशिया मुख्य कार्यकारी अधिकारी मंच का दसवां सम्मेलन भी इसी समय आयोजित होगा, जो आर्थिक सहयोग को नई दिशा दे सकता है। देखा जाये तो भारत और मलेशिया के संबंध इतिहास, सभ्यता और संस्कृति की गहरी जड़ों से जुड़े हैं। मलेशिया में लगभग 29 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो विश्व में भारतीय प्रवासी समाज की सबसे विशाल आबादियों में से एक है। यही समाज दोनों देशों के बीच सेतु का काम करता है। प्रधानमंत्री मोदी इस प्रवासी समाज को भी संबोधित करेंगे। कुआलालंपुर के एक विशाल सभागार में लगभग 15 हजार भारतीय मूल के लोग उनके स्वागत को एकत्र होंगे। 60 से अधिक सामुदायिक संस्थाएं मिलकर मोदी के स्वागत कार्यक्रम का आयोजन कर रही हैं। यह आयोजन भारतीय विविधता और मलेशियाई समाज के साथ उसके मेल का जीवंत प्रदर्शन होगा। हम आपको यह भी बता दें कि यह समय मलेशिया के भीतर भी सांस्कृतिक उत्सवों का है। थाइपुसम पर्व, चीनी नव वर्ष और नाग नृत्य जैसे आयोजन माहौल को

डिजिटल तथा वित्तीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा,

हम आपको बता दें कि कुआलालंपुर में दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच विस्तृत वार्ता होगी जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, समुद्री सहयोग, डिजिटल तथा वित्तीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और जन से जन संपर्क जैसे अनेक विषय शामिल रहेंगे।

उत्सवमय बनाते हैं। ऐसे अवसर पर मोदी की उपस्थिति भारत की सौम्य शक्ति को उजागर करेगी और यह संदेश देगी कि भारत विविधता को साथ लेकर चलने वाला समाज है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले वर्ष अक्टूबर में मलेशिया में आयोजित आसियान शिखर बैठक में घरेलू कारणों से प्रधानमंत्री स्वयं नहीं जा सके थे और विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। अब यह यात्रा उस कमी को भी पूरा करेगी। विदेश मंत्री जयशंकर और मलेशिया के विदेश मंत्री के बीच पहले ही द्विपक्षीय सहयोग और म्यांमार की स्थिति जैसे विषयों पर चर्चा हो चुकी है। हम आपको बता दें कि मलेशिया आसियान क्षेत्र में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी में दक्षिण पूर्व एशिया का विशेष स्थान है। ऐसे में यह यात्रा रणनीतिक भी है। भारत इस वर्ष ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता कर रहा है और आगे शिखर बैठक की मेजबानी करेगा, इसलिए दक्षिण पूर्व एशिया में सक्रियता और भी अहम हो जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल की आसियान भारत शिखर वार्ता में वर्चुअल रूप से कहा भी था कि 21वीं शताब्दी भारत और आसियान की शताब्दी है। उन्होंने आसियान एकता, आसियान केंद्रीय भूमिका और हिंद प्रशांत दृष्टि के प्रति भारत की निष्ठा दोहराई थी। मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा को गति देने, दो अरब से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने, क्षेत्रीय स्थायित्व मजबूत करने, आतंकवाद के विरुद्ध सामूहिक कदम उठाने और 2026 से 2030 की कार्य योजना को सहयोग देने का भी उन्होंने आश्वासन दिया था। तिमोर लेस्ते को आसियान का नया सदस्य बनने पर बधाई देकर भारत ने क्षेत्रीय समावेशन के प्रति अपना समर्थन भी दिखाया था। इसके अलावा, एक और चीज देखने में आ रही है

बीजेपी का राहुल गांधी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, कहा- 'एक झूठा बन गया है एलओपी

नई दिल्ली एजेंसी: तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस दावे की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें संसद में बोलने से रोका गया था। एएनआई से बात करते हुए, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे झूठे दावे करते हैं, भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और भारतीय सशस्त्र बलों का अपमान करते हैं। राव ने कहा कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे झूठे दावे करते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है, साथ ही हमारे लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और हमारे सशस्त्र बलों का अपमान करते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

भी राहुल गांधी के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। राज्य भाजपा अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि गांधी संसद में जनहित के मुद्दों को उठाने के अपने कर्तव्य को भूल गए हैं। राव ने आगे कहा कि पक्षपात के नेता के रूप में, वे सार्वजनिक मुद्दों को उठाने के अपने कर्तव्य को भूल गए हैं। लोग उन्हें सशस्त्र बलों और राष्ट्र का अपमान करते हुए देखते हैं, फिर भी वे कहते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जहाँ एक झूठा व्यक्ति पक्षपात का नेता बन गया है। इससे पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर बोलने से रोके जाने पर चिंता व्यक्त की थी। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि उन्होंने जिस दस्तावेज का हवाला देना चाहते थे, उसे प्रमाणित करवाकर संसदीय परंपरा का पालन किया था, लेकिन इस आवश्यकता को पूरा करने के बावजूद उन्हें निचले सदन में इसका हवाला देने की अनुमति नहीं दी गई। पत्र में लिखा था कि कल, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रस्ताव पर बोलते समय, आपने मुझे उस पत्रिका को प्रमाणित करने का निर्देश दिया था जिसका मैं उल्लेख करने वाला था। मैंने आज अपना भाषण पुनः शुरू करते समय दस्तावेज को प्रमाणित कर दिया। दीर्घकालिक परंपरा के अनुसार, जिसमें पूर्व अध्यक्षों के बार-बार दिए गए निर्णय भी शामिल हैं, सदन में किसी दस्तावेज का उल्लेख करने के इच्छुक सदस्य को उसे प्रमाणित करना और उसकी सामग्री के लिए ज़िम्मेदारी स्वीकार करना आवश्यक है।

मुठभेड़ पर सवाल उठाने वालों से योगी ने ही कर दिया सवाल, ''पुलिस गोली खाये या गोली मारे?

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराध और कानून व्यवस्था पर अपनी सरकार का रुख एक बार फिर साफ किया है। उन्होंने पुलिस की ओर से अपराधियों के खिलाफ बल प्रयोग का बचाव करते हुए कहा है कि यदि अपराधी को गोली चलाने की स्वतंत्रता है तो पुलिस को भी कानून के तहत जवाब देने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि पुलिस को हथियार इसीलिए दिए जाते हैं कि वह अपराधी का सामना कर सकें और कानून का पालन करा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार अपराधियों को कानून उसी भाषा में समझाना होता है जिसे वे समझते हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 के बाद की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय कानून व्यवस्था को लेकर

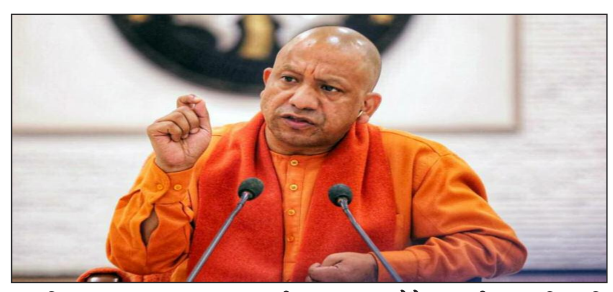

जन विश्वास बहाल करना एक बड़ी चुनौती थी। उन्होंने कहा कि पहले अपराधी कानून का उपहास करते थे और आम लोगों को कठिनाई झेलनी पड़ती थी। जब उन्हें राज्य की जिम्मेदारी मिली तो सबसे बड़ा लक्ष्य कानून व्यवस्था को मजबूत करना था। इसके लिए शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई, जिसमें कानून को सब से ऊपर रखा गया और किसी के लिए भी अपवाद नहीं रखा गया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अपनी ओर का व्यक्ति भी गलती करेगा तो उसे भी परिणाम भुगतना होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि शुरूआती दौर में कानून का भय स्थापित करना आसान नहीं था, पर लगातार कार्रवाई और कानूनी दायरे में रहते हुए सख्त रुख अपनाने से स्थिति बदली। उन्होंने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में बड़े त्योहार शांति से सम्पन्न हुए, उपद्रव, फिरौती, दंगे और अराजकता में कमी आई तथा राज्य निवेश के लिए आकर्षक स्थान के रूप में उभरा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने दंगे और अव्यवस्था की छवि से बाहर निकल कर विकास की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इसी बीच, योगी सरकार ने राज्य में पुलिस बल को मजबूत करने की दिशा में एक और अहम कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने आरक्षी नागरिक पुलिस और समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 के तहत लिखित परीक्षा की तिथियां घोषित कर दी हैं। यह परीक्षा 8, 9 और 10 जून को आयोजित होगी और हर दिन दो पालियों में परीक्षा कराई जाएगी। इस भर्ती अभियान के माध्यम से कुल 32,679 पद भरे जाएंगे।

चीन को जमीन, अमेरिका को बाजार! अखिलेश यादव ने केंद्र की विदेश नीति पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को केंद्र सरकार पर अमेरिका के उस दावे को लेकर तीखा प्रहार किया, जिसमें कहा गया था कि भारत कुछ अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ घटाकर शून्य कर सकता है और अमेरिका से 500 अरब अमेरिकी डॉलर के ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि और कोयला उत्पाद खरीद सकता है। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को 'ढील' करार दिया और आरोप लगाया कि अगर अमेरिकी डेयरी और कृषि उत्पाद भारत में आयात किए जाते हैं, तो 'सनातनियों' को अपने व्रत रखने में कठिनाई होगी। अखिलेश ने कहा कि अमेरिका के साथ यह समझौता 'समझौता' नहीं, बल्कि 'ढील' है। हमने अपना पूरा बाजार उन्हें सौंप दिया है। सनातनियों को सोचना होगा कि उनका व्रत 'सनातन' कैसे रहेगा। अगर डेयरी उत्पाद वहां से आते हैं, तो सनातनियों और भारतीयों का व्रत

कैसे चलेगा? यह चिंता का विषय है। स्वदेशी के नारे लगाने वाले भाजपा के सहयोगी कहां हैं? देश इस समझौते के बारे में जानना चाहता है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारतीय वस्तुओं पर शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत करने से देश में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। हालांकि, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा कृषि और दुग्ध उत्पादन क्षेत्रों का समर्थन किया है और उनके हितों की रक्षा की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में भारत की अर्थव्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से कृषि और दुग्ध उत्पादन क्षेत्रों को संरक्षित किया गया है। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण पर एक पत्रिका लेख का हवाला देने का बचाव करते हुए, समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने केंद्र से संसद में चीन के साथ संबंधों पर विचार-विमर्श करने का आग्रह किया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हमेशा यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती है कि चचाएँ न हों।

एनसीपी विलय पर शरद पवार का फडणवीस को कड़ा जवाब, आपको इस पर बोलने का अधिकार नहीं'

मुंबई एजेंसी: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय पर चर्चा अजीत पवार और जयंत पाटिल के बीच हुई थी, न कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ। पवार ने सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर भी खुशी व्यक्त की। बारामती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि मुझे खुशी है कि सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है... विलय को लेकर अजीत पवार और जयंत पाटिल के बीच चर्चा हुई थी। मुख्यमंत्री फडणवीस इन चचाओं में शामिल नहीं थे। उन्हें इस बारे में बोलने का क्या अधिकार था? उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल हमारा पूरा ध्यान सभी की देखभाल करने और शोक संतप्त लोगों के साथ मिलकर आगे बढ़ने पर है। अभी तक किसी भी राजनीतिक फैसले पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। 66 वर्षीय अजीत पवार का 28 जनवरी की सुबह पुणे जिले के बारामती हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश के दौरान विमान दुर्घटना में निधन हो गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता और महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विधवा, राष्ट्रीय मुख्यमंत्री सुनीत्रा पवार ने अजीत पवार के निधन के बाद रिक्त हुए मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभाला। इसके अलावा, पवार ने कहा कि पारिवारिक घटना के कारण वे 58 वर्षों में पहली बार बजट दिवस पर संसद में उपस्थित नहीं हो सके और उन्होंने चिंता व्यक्त की कि केंद्रीय बजट आम लोगों के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार (1 फरवरी) को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया

मणिपुर संकट के बीच केंद्र का बड़ा फैसला, राष्ट्रपति शासन हटा, अब बीजेपी सरकार संभालेगी कमान

नई दिल्ली एजेंसी: गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की अधिसूचना जारी की। भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित एक 'घोषणा' के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर राज्य के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 356(2) के तहत जारी की गई घोषणा को निरस्त कर दिया है। पिछली घोषणा 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई थी। राष्ट्रपति द्वारा बुधवार (4 फरवरी, 2026) को हस्ताक्षरित नई घोषणा में कहा गया है कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन वापस ले लिया गया है। घोषणा में लिखा है कि संविधान के अनुच्छेद 356 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, द्रौपदी मुर्मू, भारत के राष्ट्रपति, उक्त अनुच्छेद के तहत 13 फरवरी, 2025 को मणिपुर राज्य के संबंध में मेरे द्वारा जारी की गई घोषणा को 4 फरवरी, 2026 से निरस्त करता/करती हूं। यह कदम भाजपा

द्वारा मंगलवार को दो बार के विधायक युम्नाम खेमचंद सिंह को संघर्षग्रस्त मणिपुर में विधायक दल का नेता घोषित करने और उन्हें राज्य का अगला मुख्यमंत्री नामित करने के एक दिन बाद उठाया गया है। यह निर्णय भाजपा मुख्यालय में पार्टी के विधायकों की बैठक में लिया गया। शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को होगा। सिंह के दो उपमुख्यमंत्री होंगे, एक कुकी-जो समुदाय से और दूसरा नागा समुदाय से। कांगपोकपी विधायक नेमचा किपगेन को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। गठबंधन सहयोगी नागा पीपुल्स फ्रंट द्वारा जल्द ही नागा उपमुख्यमंत्री के नाम की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। 62 वर्षीय खेमचंद सिंह मैतेई समुदाय के सदस्य और एक इंजीनियर हैं। वे पूर्व बीरेन सिंह सरकार में नगर प्रशासन मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। 2022 में, वे मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में से एक के रूप में उभरे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले साल 13 फरवरी को मणिपुर के राज्यपाल से संवैधानिक शासन व्यवस्था के टूटने का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। यह निर्णय 9 फरवरी, 2025 को मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद लिया गया।

संसद डायरी: लोकसभा से राज्य सभा तक सियासी संग्राम, पीएम का भाषण भी टला

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शाम 5 बजे लोकसभा में भाषण देना था, लेकिन उनका भाषण अब स्थगित कर दिया गया है। आज सुबह संसद परिसर के भीतर विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस सांसदों ने 'एलओपी को बोलने दो' के नारे लगाए। राज्यसभा में विपक्ष के सांसद मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन को संबोधित करते हुए जाति जनगणना, महिला सशक्तिकरण, केंद्रीय योजनाओं और मणिपुर से जुड़े मुद्दों को उठाया। आपको बता दें कि बजट सत्र 65 दिनों में 30 बैठकों तक चलने वाला है और 2 अप्रैल को समाप्त होगा। वहीं, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पहले लोकसभा में और फिर राज्यसभा में अपनी ओर से भारत एवं अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर एक वक्तव्य दिया। पीयूष गोयल ने क्या कहा पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि भारत इस समझौते में कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस समझौते से भारत को विकसित बनाने की दिशा में देश की यात्रा को मजबूती मिलेगी। गोयल ने कहा कि दोनों देश नियमित रूप से चर्चा कर रहे थे। दोनों पक्षों ने विभिन्न स्तरों पर गहन बातचीत की है। उनका कहना था कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए यह समझौता करने में सफल रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर चर्चा की और इसके बाद ट्रंप ने अमेरिका के टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। गोयल ने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि यह अमेरिका द्वारा कई प्रतिस्पर्धी देशों पर लगाए गए शुल्क से कम है। उन्होंने कहा कि यह समझौता

भारतीय निर्यातकों को तुलनात्मक लाभ प्रदान करेगा। लोकसभा की कार्यवाही विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद शाम पांच बजे दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े मुद्दे उठाने की अनुमति नहीं मिलने और आठ विपक्षी सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को लोकसभा में कुछ किताबों का जिक्र करते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा और इस मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण भी सदन की कार्यवाही एक बार स्थगित करनी पड़ी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर इशारों-इशारों में पलटवार करते हुए कहा कि सदन में बोलने की अनुमति देना या नहीं देना नियम-पक्रिया से निर्धारित होता है। राहुल गांधी ने मंगलवार को बिरला को पत्र लिखकर उन पर सरकार के इशारे पर खुद को सदन में बोलने से रोकने का आरोप लगाते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र पर काला धब्बा है। राज्यसभा की कार्यवाही केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि देश में नक्सलवाद मार्च 2026 तक पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ह्यकतई बर्दाश्त नहीं नीति के चलते नक्सली हिंसा में तेज गिरावट आई है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की पृष्ठभूमि में बुधवार को सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश के किसानों के हितों के साथ समझौता किया है। उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से किसान विरोधी है और इससे भारतीय किसान तबाह हो जाएंगे। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि संसद का सत्र चल रहा है लेकिन सांसदों को इस समझौते की जानकारी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिली। खरगे ने इसे संसद का अपमान बताया। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा सत्र के दौरान संसद के बाहर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रेस वार्ता करने पर

संपादकीय

संसद में अनछपी किताब

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। परंपरा रही है कि राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में सरकार की जिन नीतियों, कार्यक्रमों और प्राथमिकताओं का उल्लेख किया है, सांसद उन पर चर्चा करते हैं। आलोचना भी करते हैं। विपक्ष का एजेंडा कुछ अलग भी हो सकता है। याद करें, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी नेता प्रतिपक्ष थे। तब अटल जी ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में ही, बहस के दौरान, चीन का मुद्दा आक्रामक अंदाज में उठाया था और सरकार की भत्र्सना तक की थी। जब प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस और यूपीए सरकार थी, तब लालकृष्ण आडवाणी नेता प्रतिपक्ष थे। उन्होंने भी चीन के साथ सीमा-विवाद, सुरक्षा-विवाद और सैन्य तनावों का जिक्र करते हुए मनमोहन सरकार की तीखी आलोचना की थी। भारत-चीन संबंधों, टकरावों और विवादों पर संसद में बोलना 'वर्जित' नहीं है। यह सांसदों की संवैधानिक आजादी है कि वे कौनसा मुद्दा उठाते हैं। हालांकि संसद के दोनों सदन-लोकसभा और राज्यसभा-निश्चित नियमों में बंधे हैं। लोकसभा के नियम 349 (1) के तहत सांसद किसी भी किताब, पत्रिका, अखबार को उद्धृत नहीं कर सकते, जब तक वे उद्धरणों को सत्यापित नहीं करते। नियम 353 के तहत, यदि सांसद को इसी आधार पर अपनी बात कहनी है, तो वह स्पीकर और संबद्ध मंत्री को पहले नोटिस देगा। स्पीकर ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उद्धरणों के संदर्भ में इन नियमों का बार-बार हवाला दिया।

स्पीकर ने नियमानुसार अपनी व्यवस्था भी दे दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जिद पर अड़े रहे। सवाल करते रहे कि आखिर सरकार डरी हुई क्यों है? सरकार उनके वक्तव्य से असहज क्यों है? दरअसल नेता प्रतिपक्ष पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखित, लेकिन अभी तक अप्रकाशित किताब के कुछ अंश संसद में पढकर प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह को बेनकाब करना चाहते थे। राहुल गांधी जो वाक्य बोल पाए, उनमें डोकलाम टकराव का जिक्र सुनाई दिया, जबकि चीनी सेना के साथ तनाव, टकराव और युद्ध जैसे हालात पूर्वी लद्दाख में पैदा हुए थे। जून, 2020 को जो 'गलवान संघर्ष' हुआ और हमारे 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, वह भी लद्दाख में हुआ था। जनरल नरवणे तब सेना प्रमुख थे और वह अप्रैल, 2022 तक इस पद पर रहे। गौरतलब है कि जनरल नरवणे की कथित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है, लेकिन उसका हार्डकवर अप्रैल, 2024 से ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर उपलब्ध है। किताब के प्रकाशन की अनुमति देना सरकार का विशेषाधिकार है, क्योंकि पूर्व सेना प्रमुख की किताब राष्ट्रीय सुरक्षा और हमारी युद्ध रणनीति से भी जुड़ी है। हमारा दुश्मन देश उन जानकारियों का नाजायज फायदा उठा सकता है। लिहाजा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की संसद में आपत्ति और हस्तक्षेप तार्किक था। उन्होंने स्पीकर से आग्रह किया कि नेता प्रतिपक्ष को इस विषय पर न बोलने दिया जाए, क्योंकि वह देश को गुमराह कर रहे हैं। राहुल गांधी के हाथ में दिल्ली प्रेस की पत्रिका 'कारवां' की फोटोप्रति थी, जिसमें कुछ अंश छपे हैं। इससे पहले करीब दो साल पहले कुछ अंश 'द प्रिंट' पत्रिका में छप चुके हैं।

समाचार एजेंसी 'पीटीआई' ने कुछ अंश दिसंबर, 2023 में प्रकाशित किए थे। जाहिर है कि जनरल नरवणे की किताब के कई अंश तो सार्वजनिक हो चुके हैं। सदन में रक्षा मंत्री, गृहमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री की जबरदस्त आपत्तियां इसलिए थीं, ताकि राहुल गांधी के जरिए कुछ विवादास्पद जानकारियां लोकसभा के रिकॉर्ड में दर्ज न हो सकें और इस तरह विकृत इतिहास न बन सके। दरअसल चीन का मुद्दा जनरल नरवणे के खुलासों तक ही सीमित नहीं है। मौजूदा संदर्भ ने सेना के पूर्व जनरलों और कर्नल सरीखे विशेषज्ञों के विरोधाभास भी बेपर्दा कर दिए। कुछ पूर्व जनरल उन भारत-चीन समझौतों पर ही सवाल उठा रहे हैं, जो 1993, 1997, 2005 से लेकर 2013 तक किए गए थे। गलवान इसीलिए संभव हो सका, क्योंकि हमारे सैनिक हथियार नहीं उठा सकते थे, गोली नहीं चला सकते थे, क्योंकि दोनों देशों के बीच समझौते हुए थे। संसद की कार्यवाही सोमवार को भी नहीं हो सकी, अब भी हंगामा जारी रहेगा, क्योंकि चीन का मुद्दा बेहद संवेदनशील है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

'ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचार'– यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद–या शायद इसी कारण–मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है। आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं, बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है। स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया, पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं, पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं, पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है, लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं, केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनी–सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सत?विचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है, पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाजें चिल्ला रही हैं–कॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्स–हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज़ सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता, तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता–ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं।

हम बोलना जानते हैं, पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचैनी को समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है, तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता–इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी, पर संयम नहीं सिखाया। गति दी, पर विराम नहीं। साधन दिए, पर मयार्दा नहीं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं, बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है, पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है, और विवेक का विकास मशीनों से नहीं, मानवीय मूल्यों से होता है।

हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं, पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी, पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज है, पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं, सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है, तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है, तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है।

इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं, पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं, सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा।

परिवार, शिक्षा और समाज–तीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं, संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं, बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं, बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। और ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगी–पर भीतर से और भी अधिक लाचार।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मयार्दाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित ह्यसंस्मरणह्ण के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मयार्दा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दशार्ता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा।

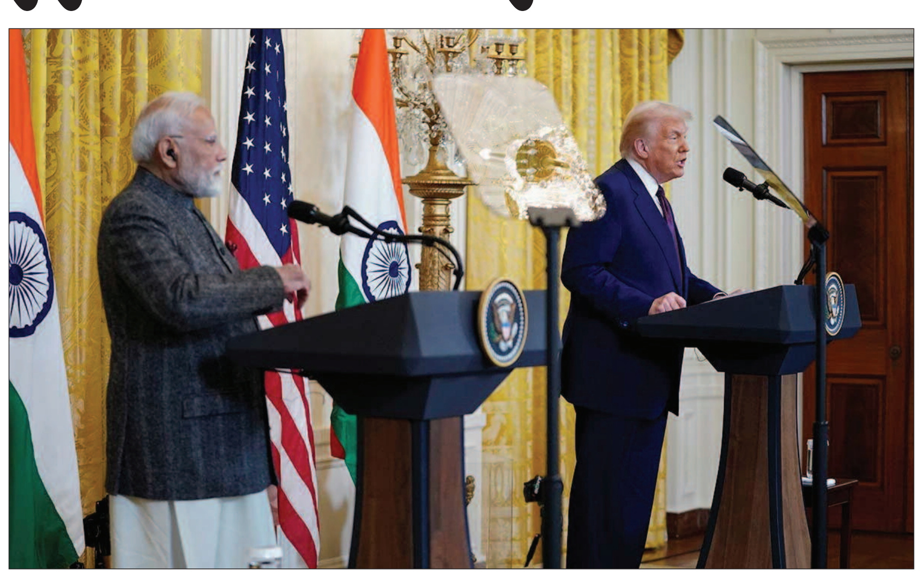

भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी। भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, चमड़ा उत्पादों का बाजार 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जेम्स एवं ज्वेलरी का बाजार 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। 27 देशों में इस विशाल क्षेत्र में भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एवं अन्य उत्पादों को प्रवेश मिलने से भारत में श्रम आधारित कई सूक्ष्म, छोटी एवं मध्यम इकाईयों को लाभ होने जा रहा है। लगभग इसी प्रकार का लाभ अन्य क्षेत्रों यथा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा उत्पाद, खिलोना उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी उत्पाद, केमिकल उत्पाद, फर्नीचर उत्पाद आदि, में कार्यरत इकाईयों की भी होने जा रहा है। इन क्षेत्रों में कार्यरत विनिर्माण इकाईयों के व्यापार में वृद्धि का आश्य सीधे सीधे अधिक श्रमबल की आवश्यकता होना भी है, जिसकी पूर्ति आज विश्व में केवल भारत ही कर सकता है।

रक्षा के क्षेत्र में भारत बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत का अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करने का है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों को सुरक्षा के सम्बंध में अमेरिका पर निर्भर नहीं रहते हुए अपने पैरों पर खड़े होने की सलाह दी है। अतः यूरोपीय देश अपने सुरक्षा बजट में अत्यधिक वृद्धि करने का विचार कर रहे हैं। भारत के लिए ऐसे समय पर उक्त मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना एक सुनहरे अवसर के रूप में सामने आया है। इससे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादन कर रही भारतीय कम्पनियों को यूरोपीय यूनियन का अति विशाल बाजार मिलने जा रहा है। इसी के साथ ही यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीकी का हस्तांतरण भारतीय कम्पनियों को सम्भव हो सकेगा। कुल मिलाकर यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों के साथ सम्पन्न किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते से भारत के लिए अतिलाभप्रद स्थिति बनने जा रही है।

नौगांवा तहसील पर भाकियू शंकर का प्रदर्शन, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

नौगांवा/अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को उपजिला अधिकारी कार्यालय नौगांवा पर मा. परमसिंह की अध्यक्षता व मा जगत सिंह चौहान के संचालन में धरना प्रदर्शन शुरू हुआ। धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने कहा कि तहसील क्षेत्र के मध्य गंगा नहर की दोनों साइडों पर अत्यधिक पेड़ झाड़ियां होने के कारण तेंदुओं का आश्रय स्थल बना हुआ है लगातार तेंदुए आसपास के इलाकों में जानलेवा हमला कर रहे हैं इसी क्रम में कुतुबपुर हमीदपुर के अलावा 15 जनवरी को अलीपुर कला में भी एक किसान की मौत हो गई है ,मृतक के वारिसों को व घायलों को उचित मुआवजा दिलाते हुए तेंदुओं को पकड़वाकर वनों में छोड़ा जाए , किसानों के कोई भी कार्य धरातल पर नहीं हो रहे हैं अंश निर्धारण ,चकबंदी में भ्रष्टाचार व्याप्त है,आवारा खूंखार कुत्तों ने तहसील क्षेत्र में सैकड़ो लोगों की जान ले ली है इसी में खूंखार बन्दरो व छुट्टे आवारा गोवंश पशुओं का आतंक बना हुआ है गांवों में रातों-रात जागकर किसान कर रहे पहरेदारी से छुटकारा दिलाया जाए। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि चकबंदी विभाग में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है तहसील क्षेत्र के ढक्का गांव में चकबंदी अधिकारियों नक्शा 23 में भूमि को अपने चहेते किसानों को मन माफिक चक बना दिए हैं,ग्राम समाज जमीन को भूमाफियाओं से कब्जा मुक्त कराया जाए, शासनादेशअनुसार किसी भी गांव में चकबंदी करने के लिए 70% किसने की सहमति आवश्यक है जबकि धक्का गांव में 90% किस चकबंदी नहीं करना चाहते हैं फिर भी चकबंदी अधिकारी चकबंदी करने पर आमादा है अतः ढक्का गांव में चकबंदी निरस्त कराई जाए, तहसील अध्यक्ष चौधरी रविवार ने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट विद्युत आपूर्ति मुक्ति की जाए,एक मुश्त समाधान योजना अव्यवहारिक 90% उपभोक्ता बाहर है इसको दोबारा सभी विद्युत उपभोक्ताओं के लिए लागू किया जाए।बिजली विभाग की मनमानी 10 घंटे बिजली निर्बाध आपूर्ति की जाए,तहसील कार्यालय नवीन तहसील भवन में यथाशीघ्र संचालित कराया जाए। मास्टर जगत सिंह चौहान ने कहा कि वेव शुगर मिल पर कई सौ करोड रुपए का अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान है यथाशीघ्र गन्ना मूल्य भुगतान दिलाया जाए ,गन्ना किसानों की घटतौली के नाम पर हो रही खुली लूट को बंद किया जाए,अंत में कार्यकारिणी ने तहसीलदार लकी सिंह को मांग पत्र सौंप कर 9 फरवरी दिन सोमवार को कलेक्ट्रेट पर बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी।इस दौरान कार्यक्रम में गजराम चौहान ओमवीर शीशराम जाटव, कामेश, कृष्ण वीर रविंदर सिंह बृजपाल सिंह डॉ गोपाल, शिवराज सिंह मनोज कश्यप अमित गुर्जर रविंद्र सिंह रमेश सिंह शिव स्वरूप सिंह इंद्रपाल सिंह रामकुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

जज के पेशकार की हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वकीलों ने एसपी को सौंपा प्रार्थना पत्र

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में 11 जनवरी 2026 को एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जिसमें जिला न्यायालय में सिविल जज के पेशकार राशिद हुसैन की पत्नी और बच्चों के सामने पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यह वारदात डिडौली कोतवाली क्षेत्र में संभल चौराहे के पास हुई। मामला रोडरेज से शुरू हुआ। राशिद हुसैन अपनी कार से परिवार के साथ मुरादाबाद जा रहे थे। रास्ते में उनकी कार और एक बाइक की मामूली टक्कर हो गई या ओवरटेकिंग को लेकर विवाद हुआ। बाइक सवार युवकों ने इसे बहाना बनाकर अन्य साथियों को फोन कर बुला लिया था। उन्होंने कई किलोमीटर तक कार का पीछा किया और संभल चौराहे पर कार रोककर राशिद को बाहर खींच लिया। आरोपियों ने लात-घूंसे, बेल्ट और अन्य तरीकों से उन पर बेरहमी से हमला किया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। पत्नी और बच्चे चीखते-चिल्लाते रहे, लेकिन दबंगों ने किसी को रोकने नहीं दिया।पुलिस ने राशिद के भानजे की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया। मुख्य आरोपी कलीम, शान, कसीम, नसीम और तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। अमरोहा जिला न्यायालय के वकीलों ने पुलिस अधीक्षक अमित कुमार को शिकायती पत्र सौंपा, जिसमें उन्होंने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की गई। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने परिजनों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

रजबपुर हाईवे 9 पर बम की तरह फटा कार का टायर,चालक की मौत,दो

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 पर मंगलवार की देर शाम एक कार का टायर बम की तरह फट गया। हाईवे पर हुए धमाके से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया, स्थानीय लोग मौके की तरफ दौड़ने शुरू हो गये,मौके पर जाकर देखा तो वहां एक कार क्षतिग्रस्त स्थिति में देखने को मिली। हाईवे पर हुए इस हादसे में कार चालक की मौत हो गई एवं दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार हेतु तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया।उधर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। बता दें कि यह घटना हाईवे किनारे स्थित श्री वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के पास हुई जहां दिल्ली से मुरादाबाद की ओर जा रही एक तेज रफ्तार होंडा अमेज कार का अचानक टायर फट गया, टायर फटने से कार अनियंत्रित होकर दूसरी लाइन में चली गई जहां वह दूसरी लाइन में चल रही एक स्विफ्ट कार से टकरा गई, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए ,हादसे के बाद मौके पर अपरा तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित हो गया। दिल्ली की ओर से आ रही होंडा अमेज कार के चालक अपूर्व शुक्ला पुत्र राजीव शुक्ला निवासी बड़ा बाजार थाना अमरोहा नगर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार में सवार उनकी एक महिला साथी भी घायल हुई है इसके अतिरिक्त स्विफ्ट डिजायर टैक्सी के चालक को भी छोटे आई हैं सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया, दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर थाने पहुंचाया गया। रजबपुर थाना प्रभारी कोमल तोमर ने बताया कि इस मामले में वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

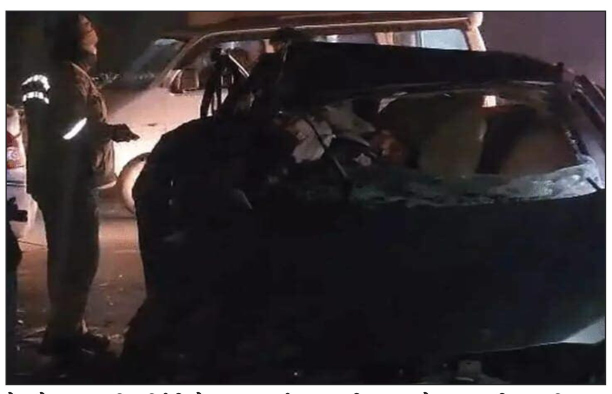

गजरौला में मुस्लिम युवक ने हिन्दू बनकर युवती को फंसाया,शादी का झांसा देकर किया शारीरिक शोषण

युवक के फोन पर आया पत्नी का कॉल तब खुला राज,धर्म परिवर्तन का दवाब बनाने पर थाने पहुंची पीड़िता

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की कोतवाली गजरौला में एक मुस्लिम युवक द्वारा अपने आप को हिंदू जाट बताकर युवती को फंसाने का मामला सामने आया है। इस मामले में मुस्लिम युवक द्वारा युवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने एवं धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का भी आरोप है। बता दें कि पीड़िता के अनुसार गजरौला के मोहल्ला विजयनगर निवासी साहिल नामक युवक ने खुद को हिंदू जाट बताकर स्नैपचैट पर युवती से दोस्ती की थी ,उसने मंदिर की कसमें खाकर युवती का विश्वास जीता और एक साल तक उसका शारीरिक शोषण किया जब युवती गर्भवती हुई तो आरोपी ने धोखे से उसे गर्भपात की दवा खिला दी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि साहिल ने उससे गहने और नगदी भी ठग लिए, इस मामले का खुलासा तब हुआ जब साहिल के फोन पर उसकी पत्नी का फोन आया ,इससे पीडिता को पता चला कि साहिल पहले से ही शादीशुदा है और दूसरे समुदाय से भी संबंध रखता है ,भेद खुलने पर आरोपी ने पीड़िता पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया और इनकार करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले में गजरौला इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुख्य आरोपी साहिल पुत्र रक्ममुद्दीन और उसके साथी जुनैद पुत्र कमरुद्दीन निवासी मोहल्ला विजयनगर गजरौला के खिलाफ संबंधी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तारी किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में पर्यटन के नए युग का उदय

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद पर्यटन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव देखा गया है। राज्य सरकार ने पर्यटन को न केवल सांस्कृतिक गौरव के पुनरुद्धार के रूप में देखा है, बल्कि इसे आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक मुख्य आधार भी बनाया है। वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश सरकार की दूरदर्शी नीतियों और बुनियादी ढांचे में सुधार के कारण, प्रदेश घरेलू पर्यटकों के मामले में देश का नंबर-1 राज्य बनकर उभरा है। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। पर्यटन विकास के केंद्र में आध्यात्मिक सर्किट का विकास रहा है। अयोध्या धाम में श्री राम मंदिर के निर्माण और दीपोत्सव जैसे आयोजनों ने अयोध्या को वैश्विक मानचित्र पर ला खड़ा किया है। 2017 में जहां यहां कुछ लाख पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या करोड़ों में पहुँच गई है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद पर्यटकों की सुगमता और संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। गंगा आरती और क्रूज पर्यटन (जैसे अलकनंदा क्रूज) नए आकर्षण बन चुके हैं। ब्रज तीर्थ विकास परिषद के माध्यम से मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन के कुंडों और मंदिरों का जीर्णोद्धार किया गया है। इससे इन स्थलों के सांस्कृतिक और धार्मिक वैभव का पुनरुद्धार हुआ है। राज्य सरकार ने इस क्षेत्र को अन्यतम ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया, जिससे निवेशकों को कई लाभ मिले। नई पर्यटन नीति 2022 के तहत होटलों और रिसॉर्ट्स को औद्योगिक दरों पर बिजली और पानी की सुविधा दी गई है। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में बड़े स्तर पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। पर्यटकों के लिए यात्रा को सुगम बनाने हेतु कनेक्टिविटी पर विशेष जोर दिया गया। कुशीनगर और जेवर (नोएडा) जैसे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ-साथ अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का विकास किया गया। प्रदेश में क्रियाशील हवाई अड्डों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। आज प्रदेश में बड़े स्तर पर एक्सप्रेसवे का जाल बन चुका है जिससे पर्यटकों को संपर्क सुगमता, बेहतर यात्रा का अनुभव मिलने लगा है। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गंगा एक्सप्रेसवे ने प्रमुख पर्यटन केंद्रों के बीच की दूरी और यात्रा समय को कम कर दिया है। सिर्फ धार्मिक स्थलों तक सीमित न रहकर, प्रदेश सरकार ने अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान केंद्रित किया है। ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देते हुए दुधवा, पीलीभीत और कतर्नियाघाट जैसे टाइगर रिजर्व में बुनियादी सुविधाओं को उन्नत किया गया है। यूपी ईको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड का गठन इसका मुख्य कदम है। ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति का अनुभव कराने के लिए होमस्टे को बढ़ावा दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों को सीधा रोजगार मिल रहा है। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का आयोजन विश्व के सबसे बड़े सुव्यवस्थित आयोजन के रूप में संपन्न हुआ है। प्रदेश सरकार ने विशेष आयोजनों के माध्यम से यहां के धार्मिक उत्सवों को पर्यटकीय आकर्षणों का केंद्र बनाया है।

यहां होने वाले दीपोत्सव (अयोध्या), रंगोत्सव (बरसाना), और देव दीपावली (वाराणसी) जैसे कार्यक्रमों ने विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है। उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी छवि केवल ताजमहल के राज्य से बदलकर भारत की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित की है। 2017 के बाद पर्यटन विकास ने न केवल प्रदेश की जीडीपी (T^YĐ) में योगदान दिया है, बल्कि करोड़ों युवाओं के लिए होटल, गाइड, और परिवहन जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए द्वार खोले हैं।

अमरोहा में बंदरों का आतंक: 1.5 माह के बच्चे को चारपाई से उठा ले गया, 5 मिनट बाद रोटी लेकर छोड़ा

अमरोहा। कस्बा डिडौली में सोमवार को बंदरों के आतंक का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां चारपाई पर सो रहे डेढ़ माह के बच्चे को बंदर उठा कर ले गया। स्वजन ने शोर मचाया तो बंदर उसे छोड़ भागा। मुकेश कुमार का परिवार कस्बा डिडौली में रहता है। आंगन में लेटा था बच्चा सोमवार दोपहर उनकी पत्नी रेखा अपने डेढ़ माह के बच्चे को आंगन में चारपाई पर धूप में लिटाकर रसोई में चली गई थीं। इसी दौरान अचानक एक बंदर आंगन में आया और मासूम बच्चे को उठाकर ले जाने लगा। जैसे ही मां की नजर बच्चे को उठाते बंदर पर पड़ी तो उसकी चीख निकल गई। मां की आवाज सुनते ही स्वजन मौके पर दौड़ पड़े। उस समय तक बंदर बच्चे को लेकर आंगन में ही थोड़ी दूर बैठ गया। ईश्वर से प्रार्थना करते हुए बंदर को दी रोटी स्वजन बच्चे को बचाने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए बंदर को रोटियां देने लगे। लगभग पांच मिनट तक चले इस प्रकरण में बंदर बच्चे को छोड़कर रोटियां लेकर मौके से भाग गया। बच्चे को सकुशल देखकर मां के साथ-साथ परिवार के अन्य सदस्यों ने राहत की सांस ली।घटना के बाद से कस्बा में दहशत का माहौल है। लोगों ने प्रशासन से बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।बीडीओ लोकचंद्र आनंद ने कहा है कि मामला संज्ञान में आया है। अभियान चलाकर बंदर पकड़वाए जाएंगे। बता दें कि पूर्व में डिडौली में बंदर के हमले में कई लोग घायल भी हुए हैं।

आरटीई के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ:- बेसिक शिक्षा अधिकारी

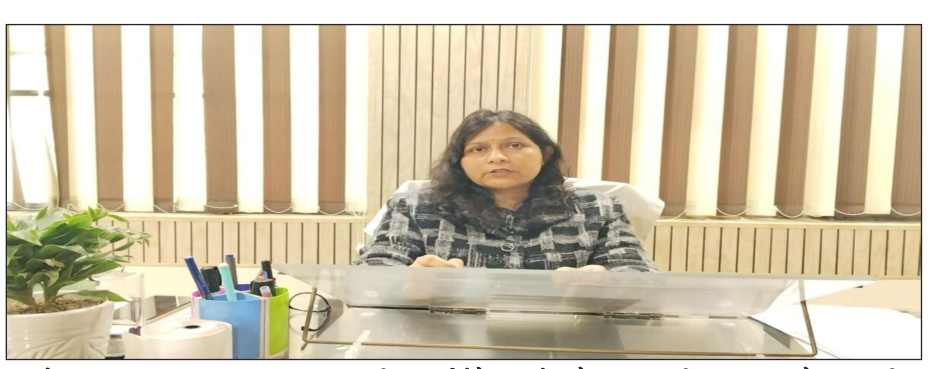

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(ग) के तहत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को पूर्व प्राथमिक या कक्षा 1 में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित हैं। इन सीटों पर निःशुल्क प्रवेश अनिवार्य है। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग के शासनादेश के अनुसार, इस वर्ष शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं लॉटरी प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका ने बताया कि आरटीई के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होगी। प्रथम चरण 2 फरवरी 2026 से शुरू हो चुका है और 16 फरवरी तक चलेगा। दूसरा चरण 21 फरवरी से 7 मार्च तक तथा तृतीय चरण 12 मार्च से 25 मार्च तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। प्रत्येक चरण के बाद लॉटरी निकाली जाएगी, जिसके आधार पर योग्य बच्चों का चयन होगा।यह प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और अभिभावक विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। दुर्बल वर्ग में परिवार की वार्षिक आय सीमा के अंतर्गत तथा अलाभित समूह में अनुसूचित जाति/जनजाति, विकलांग आदि शामिल हैं। आवश्यक दस्तावेज जैसे आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड आदि अपलोड करने होते हैं। यह योजना गरीब एवं वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभिभावकों से अपील है कि निर्धारित समय में आवेदन करें ताकि उनके बच्चे निजी स्कूलों में निःशुल्क पढ़ सकें। अधिक जानकारी के लिए जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय या आधिकारिक पोर्टल से संपर्क करें।

महिला की चाकू से गोदकर हत्या कर आरोपी ने खुद को घर में किया बंद

मौके पर गुस्सायी भीड़ ने किया हंगामा, तोड़फोड़

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में एक महिला की चाकू से गोदकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने घटना को अंजाम देने के बाद अपने आप को पास के ही एक घर में बंद कर लिया। वारदात के बाद मौके पर जमा भीड़ एवं महिला के परिजनों ने हंगामा किया साथ ही आरोपी के घर में भी तोड़फोड़ की, उनका कहना है कि आरोपी को घर से बाहर निकाला जाए। घटना की सूचना पुलिस को मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक भी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे लेकिन ग्रामीणों ने उनका भी विरोध करना शुरू कर दिया। पुलिस ने किसी तरह भीड़ को समझा बुझाकर शांत कराया इस दौरान पुलिस ने भी आरोपी को मकान से निकालने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि आरोपी एक राशन डीलर है जो महिला के घर के पास एक मकान में रहता है। बता दें कि घटना बुधवार की दोपहर की बताई जा रही है जहां अमरोहा के थाना देहात क्षेत्र के गांव पचकोरा में नरेंद्र कुमार अपने परिवार के साथ रहता हैं परिवार में उनकी पत्नी रूबी के अलावा तीन बच्चे हैं जिनमें दो बेटे लविश और नकुल और एक बेटी नैना है। आरोपी धीरज वाल्मीकि एक राशन डीलर है ,गांव वालों के मुताबिक आरोपी ने बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे इस वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में गांव वालों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रूबी गांव में ही एक दावत में शामिल होने के बाद घर वापस लौट रही थी, इस दौरान आरोपी धीरज ने रूबी को रास्ते में रोक लिया इससे पहले रूबी उसे कुछ समझ पाती उसने चाकू से रूबी पर हमला करना शुरू कर दिया। इस दौरान रूबी लहुलुहान होकर नीचे गिर पड़ी ।शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ इकट्ठा हो गई ,गुस्साए लोगों की भीड़ आरोपी के घर की ओर दौड़ने लगी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। उधर सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसे हालात बिगड़ते देख मौके पर अतिरिक्त फोर्स और बुलानी पड़ी। इस दौरान परिजनों और गांव वालों ने आरोपी धीरज के घर में तोड़फोड़ की ,घर के बाहर खड़ी कार के शीशे तोड़ दिए पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा बूझाकर शांत कराया। इस मामले में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि युवक द्वारा महिला की चाकू से हत्या करने का मामला संज्ञान में आया है,आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है, महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

ओवरस्पीड ट्रक ने गन्ने से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, ट्रैक्टर पलटा

ट्रॉली का जट्टा टूटकर अलग हुआ, सड़क पर बिखरा गन्ना बड़ा हादसा टला

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र में बुधवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना होते-होते टल गया। यह हादसा बहजोईझचंदौसी मुख्य मार्ग पर भगत जी इंटरनेशनल स्कूल से आगे उस समय हुआ, जब चंदौसी की ओर जा रही गन्ने से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करने के प्रयास में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक अत्यधिक गति में था और चालक ने लापरवाही बरतते हुए सामने चल रहे ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रक ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर सड़क पर पलट गया और ट्रॉली का जट्टा टूटकर अलग हो गया। गन्ना सड़क पर फैल गया, जिससे कुछ समय के लिए मार्ग पर आने जाने वाले वाहनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हादसे के वक्त ट्रैक्टर पर केवल चालक सवार था। गनीमत रही कि चालक को गंभीर चोट नहीं आई और किसी अन्य वाहन या राहगीर इसकी चपेट में नहीं आया। व्यस्त सड़क होने के कारण यदि हादसा कुछ देर बाद होता, तो बड़ा नुकसान हो सकता था। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

पति-पत्नी के विवाद सुलह-समझौते से सुलझे, 4 परिवार फिर से जुड़े

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा एवं क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की साप्ताहिक बैठक बुधवार को चंदौसी में आयोजित की गई। यह बैठक गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी चंदौसी में परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न पारिवारिक विवादों को संवाद और काउंसलिंग के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाना रहा। बैठक में कुल 16 पत्रावलियों पर विस्तार से सुनवाई की गई। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह एवं काउंसलरों के संयुक्त प्रयास से 8 मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। इनमें से 4 परिवारों को आपसी सहमति से पुनः मिलाया गया, जिससे टूटने के कगार पर खड़े परिवारों में फिर से खुशहाली लौटी। वहीं 2 पत्रावलियों में आवेदकों द्वारा आगे कार्रवाई में रुचि न दिखाने के कारण उन्हें बंद कर दिया गया। शेष 2 मामलों में विवाद की गंभीरता को देखते हुए विधिक कार्रवाई की संस्तुति संबंधित पक्षों को दी गई।

परामर्श केंद्र में काउंसलरों द्वारा पति-पत्नी दोनों पक्षों की बातों को शांतिपूर्वक सुना गया और आपसी संवाद, समझदारी और जिम्मेदारी के माध्यम से विवाद सुलझाने का प्रयास किया गया। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य परिवारों को जोड़ना और समाज में शांति एवं सद्भाव बनाए रखना है। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, पूनम अरोरा, सब-इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी व कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला उत्पीड़न की रोकथाम, जनसुनवाई व सरकारी योजनाओं की समीक्षा

बाल विवाह रोकने और बालिकाओं की शिक्षा पर दिया विशेष जोर

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अवनी सिंह का बुधवार को जनपद सम्भल भ्रमण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान उनकी अध्यक्षता में महिला उत्पीड़न की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा को लेकर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस, सम्भल में आयोजित हुई, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी समस्याएं रखीं। सदस्य द्वारा जमीनी विवाद, आवास, पेंशन सहित अन्य सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसुनवाई को संबोधित करते हुए सदस्य अवनी सिंह ने कहा कि आज की महिलाएं घर और बाहर दोनों जगह जिम्मेदारी से अपनी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बाल विवाह पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कम उम्र में विवाह होने से महिला और बच्चे के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इसलिए इसे हर हाल में रोका जाना चाहिए। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यदि लड़की शिक्षित होगी तो वह न केवल आत्मनिर्भर बनेगी, बल्कि विवाह के बाद अपने बच्चों को भी बेहतर शिक्षा दे सकेगी, जिससे समाज मजबूत होगा। सदस्य ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि वे समाज की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से भविष्य में भी और अधिक सक्रियता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों पर संचालित कार्यों एवं विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

आईसीडीएस विभाग के अंतर्गत सदस्य द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा छोटे बच्चों का अन्नप्राशन कार्यक्रम भी संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार, सीडीपीओ रचना यादव, महिला थानाध्यक्ष रेनू सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्राओं ने सीखे सेल्फ डिफेंस के गुर, प्रशिक्षण से छात्राओं में बढ़ा आत्मविश्वास

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत बुधवार को जनपद सम्भल में बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस क्रम में ग्राम आटा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, कस्तूरबा बालिका विद्यालय सरथल खेड़ा एवं विनोबा भावे विद्यालय की छात्राओं को विशेष रूप से आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने में सक्षम बनाना रहा। प्रशिक्षकों सुरेश कुमार, पूर्वी, संतराम, ब्रजेश एवं रितेश द्वारा छात्राओं को लेग राइज, फ्रंट किक, फ्रंट जंप किक, साइड किक, साइड ब्लॉक एवं पंच जैसी आत्मरक्षा तकनीकों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि सभी छात्राएं आत्मरक्षा सीखने को लेकर काफी उत्साहित हैं और प्रतिदिन अधिक संख्या में प्रशिक्षण में भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं ने बताया कि इस अभ्यास के बाद वे स्वयं को पहले से कहीं अधिक सशक्त और आत्मविश्वास से भरपूर महसूस कर रही हैं। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जनपद के जूनियर हाई स्कूलों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में लगातार आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के साथ-साथ छात्राओं को सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराया जा रहा है, ताकि पात्र बालिकाओं एवं महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके। कार्यक्रम के माध्यम से बेटियों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने की दिशा में प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

कृषि विभाग की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न किसानों को जागरूक करने के निर्देश

नैनो यूरिया व नैनो डीएपी के प्रयोग से मृदा स्वास्थ्य व उत्पादन बढ़ाने पर जोर

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के मंडी सभागार में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा रहे, जबकि अपर जिला कृषि अधिकारी विजय कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यशाला में कृषि विज्ञान केंद्र पालथा फार्म के वैज्ञानिक डॉ. पंकज कुमार, इफको मुरादाबाद से यशवीर सिंह, जनपद सम्भल के क्षेत्र अधिकारी अमित पटेल सहित जिले के लगभग 50 अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में इफको मुरादाबाद से आए यशवीर सिंह ने नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के उपयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लगातार रासायनिक दानेदार उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी का स्वास्थ्य खराब हो रहा है, जिससे फसलों में रोग एवं कीटों का प्रकोप बढ़ रहा है और उत्पादन में गिरावट आ रही है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे दानेदार उर्वरकों का प्रयोग कम कर नैनो उर्वरकों का अधिक उपयोग करें। उन्होंने बताया कि नैनो डीएपी से बीज उपचार हेतु 5 मिली प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज को शोधित कर बुवाई करनी चाहिए तथा 35 40 दिन बाद पत्तियों पर छिड़काव करने से फसल को भरपूर पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। जिला कृषि अधिकारी प्रबोध कुमार मिश्रा ने कहा कि नैनो डीएपी, दानेदार डीएपी का एक प्रभावी विकल्प है, इसलिए क्षेत्र में तैनात सभी अधिकारी एवं कर्मचारी किसानों को इसके प्रयोग के प्रति जागरूक करें, ताकि किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। क्षेत्र अधिकारी अमित पटेल ने बताया कि मक्का की बुवाई प्रारंभ होने वाली है, ऐसे में किसान भाई नैनो डीएपी का प्रयोग 5 मिली प्रति किलोग्राम बीज उपचार के रूप में करें। इससे उनकी लागत में कमी आएगी और फसल उत्पादन में वृद्धि होगी। उन्होंने नैनो यूरिया का प्रयोग बुवाई के 35झ 40 दिन बाद, जब पौधों पर पत्तियों की संख्या पर्याप्त हो जाए, करने की सलाह दी। इसके साथ ही नैनो जिंक एवं नैनो कॉपर के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसे 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करने की सलाह दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र पालथा फार्म के वैज्ञानिक डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि फसलों में संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग ही उत्पादन बढ़ाने का सबसे प्रभावी तरीका है। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक प्रयोग करने की सलाह दी। कार्यशाला के माध्यम से कृषि अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नैनो उर्वरकों के लाभ एवं प्रयोग विधि की जानकारी देकर किसानों तक इसे प्रभावी रूप से पहुंचाने का आह्वान किया गया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाईस्कूल में स्काउट-गाइड शिविर का समापन

तीसरे दिन टेंट निरीक्षण व गतिविधियों का हुआ प्रदर्शन, बच्चों में दिखा उत्साह

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- नगर से सटे ग्राम पथरा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाईस्कूल में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट-गाइड शिविर का बुधवार को विधिवत समापन हो गया। शिविर के तीसरे दिन स्काउट-गाइड कमिश्नर संगीता भार्गव ने शिविर स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया और बच्चों द्वारा की जा रही गतिविधियों का अवलोकन किया। शिविर के दौरान बच्चों की अलग-अलग टोलियां बनाकर उन्हें टेंट लगाने का प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों ने स्वयं टेंट लगाकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। संगीता भार्गव ने लगाए गए टेंटों का निरीक्षण किया और बच्चों से शिविर के दौरान सीखे गए कार्यों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बच्चे काफी उत्साहित नजर आए। बच्चों द्वारा किए गए प्रयासों और अनुशासन को देखकर स्काउट-गाइड कमिश्नर संगीता भार्गव ने उनकी सराहना की और कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण से बच्चों में आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता और सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी इसी लगन से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। जिला संगठन आयुक्त मीनू राघव एवं सहायक नीलम कुमारी द्वारा बच्चों को तीन दिनों तक विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के दौरान बच्चों को यह संदेश दिया गया कि आपसी सहयोग और एकता के माध्यम से असंभव कार्य को भी संभव बनाया जा सकता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और स्काउट-गाइड गतिविधियों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। शिविर के सफल आयोजन में विद्यालय संचालक महानंदन गौतम का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी के साथ नीरज शर्मा, प्रवीन कुमार, सत्येंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, अश्विनी शर्मा, रंजीत कुमार, रमन शर्मा, सीमा अग्रवाल, आभा रानी, क्षमता, शालू, सुशीला, रेशमा, अनामिका यादव, खुशबू, वंशिका सक्सेना, रंजीत कौर, दुर्गेशनंदिनी, आरती सिंह, योगेश, गीता, श्याम सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बबराला पुलिस ने महिला की हत्या के आरोपी को किया गिरफ्तार

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू के मार्गदर्शन और थाना बबराला प्रभारी सौरभ त्यागी के नेतृत्व में थाना बबराला पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना बबराला पुलिस द्वारा थाना बबराला पर पंजीकृत एक हत्या के मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त सुभाष पुत्र रामबाबू को नूरपुर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार थाना बबराला क्षेत्र के ग्राम पहलवाड़ा निवासी पवन पुत्र राजेन्द्र द्वारा सूचना दी गई थी कि 30 जनवरी की रात गांव के ही निवासी सुभाष पुत्र रामबाबू ने उसकी माता की गोली मारकर हत्या कर दी। इस सूचना के आधार पर थाना बबराला पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया। विवेचना के दौरान गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त की तलाश तेज की गई। पुलिस टीम की लगातार दबिश और सतर्क कार्रवाई के चलते अभियुक्त सुभाष को नूरपुर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

राजकीय कृषि रक्षा भंडार का निरीक्षण, किसानों को लाइट ट्रैप वितरित

गेहूं बीज वितरण व सरसों प्रदर्शन प्रक्षेत्र का किया भ्रमण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- संयुक्त कृषि निदेशक मुरादाबाद मंडल, मुरादाबाद द्वारा जनपद सम्भल में भ्रमण एवं निरीक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा द्वारा संयुक्त कृषि निदेशक का पुस्तक एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। संयुक्त कृषि निदेशक द्वारा सर्वप्रथम राजकीय केंद्रीय कृषि रक्षा भंडार का निरीक्षण किया गया, जहां उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। इसके उपरांत कृषि रक्षा इकाई बहजोई में किसानों को कीट नियंत्रण हेतु लाइट ट्रैप का वितरण किया गया, जिससे फसलों को कीट प्रकोप से बचाया जा सके। इसके बाद बहजोई गांव में रामकृष्ण पाल, लक्ष्मी नारायण, कृष्ण सिंह, जसपाल सहित अन्य किसानों के खेतों का भ्रमण किया गया। यहां गेहूं सामान्य बीज वितरण एवं सरसों प्रदर्शन प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा किसानों से फसलों की स्थिति एवं संचालित कृषि योजनाओं के संबंध में जानकारी ली गई तथा संबंधित कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम धनारी पट्टी में निर्मित खेत तालाब का भी निरीक्षण किया गया और जल संरक्षण की दिशा में इस योजना की उपयोगिता पर चर्चा की गई। संयुक्त कृषि निदेशक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाया जाए तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन समय-समय पर उपलब्ध कराया जाए।

जमीउल कुरान में इनामी जलसे का आयोजन किया गया

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जमीउल कुरान मुनज्जम मकतब दिनयात में एक इनामी जलसे का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा नात, तकरीर पेश की गई। इस मौके पर बच्चों को सनद और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मंगलवार को रहमानिया मस्जिद स्थित मदरसा जमीउल कुरान मुनज्जम मकतब दिनयात में एक इनामी जलसे का आयोजन मुफ्ती मोहम्मद उवैस व हाफिज शादाबुर्रहमान के देख रेख में आयोजित किया गया। जलसे में नन्हे मुन्ने बच्चों ने नात, तकरीर पेश की। इस मौके पर पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को उलमाओं द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मदरसे के संचालक मुफ्ती उवैस अहमद ने

बताया कि एक रोजा इनामी जलसे का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा नाते पाक, कलमें और तकरीर पेश की गई। इस मौके पर अतिथियों द्वारा बच्चों को इनाम देकर सम्मानित किया गया है। जलसे को खिताब करते हुये मुफ्ती महफुजुर्रहमान अकबराबाद ने कहा कि हमें अपने बच्चों को दीनी तालीम के साथ-साथ दुनिया ही तालीम भी देनी चाहिए। बच्चों को इस बात की ताकीद करें कि अपनी जिंदगी अपने मजहब के हिसाब से गुजारनी चाहिए और जितना हो सके उन सभी बातों से बचना चाहिए जिसको मजहब में मना किया गया है। बच्चों को उम्र के हिसाब से दीन की सभी बातों की जानकारी देते रहना चाहिए ताकि उन्हें पता होना चाहिए कि हमारे मजहब में किस चीज को नाजायज और किस चीज को जायज करार दिया गया है। हमें अपने बच्चों को ऐसी तरबियत देनी चाहिए जिससे हम सभी मजहब के लोगों से मोहब्बत करें और एक दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़े रहे। जलसे के अंत में मुल्क में अमनों अमान की दुआ कराई गई। जलसे की निजामत मुफ्ती सदाकत ने की।इस मौके पर बच्चों मोहम्मद अनिक जमाल, अनुशा फात्मा, नमरा, अरीब आदि ने अपना अपना प्रोग्राम पेश किया। इस मौके पर मौलाना शुऐब अहमद, मौलाना मोहम्मद शादाब, कारी मुहम्मद मुदस्सिर, मुफ्ती फरमान, मौलाना रिजवान, मौलाना रईस, मस्जिद के सदर नईम अहमद, हाजी वजीहुद्दीन, रियाज उर्फ.प्रिंस जमाल, कफील अहमद, जहीर अहमद, नफीस अहमद, आदि मौजूद रहे।

पागल कुत्ते के हमले में 8 वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल, 50 से अधिक टांके

नगीना/बिजनौर(सब का सपना):- धामपुर रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल से खाना खाकर घर लौट रही आठ वर्षीय बालिका पर पागल कुत्ते ने हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके शरीर पर 50 से अधिक टांके लगाने पड़े। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। कस्बा नगीना के मोहल्ला सनी बस्ती निवासी यशपाल सिंह सैनी की आठ वर्षीय पुत्री उमंग सैनी रविवार को दौहपर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में चल रहे समारोह से भोजन कर अकेली अपने घर लौट रही थी। जैसे ही वह बिश्नोई सराय मार्ग पर पहुंची, तभी सड़क पर घूम रहे एक पागल कुत्ते ने अचानक उस पर हमला कर दिया और उसे बुरी तरह नोच लिया। बालिका की चीख-पुकार सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर

दौड़े और काफी मशक्कत के बाद कुत्ते से उसे छुड़ाया। गंभीर रूप से घायल उमंग को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के दौरान उसके शरीर पर 50 से अधिक टांके लगाए गए। चिकित्सकों ने उसकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घायल बच्ची के पिता यशपाल सिंह सैनी ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं और बेटी के इलाज के लिए उनके पास पर्याप्त धन नहीं है। उन्होंने बताया कि मजबूरी में वे पूरी तरह सरकारी अस्पतालों पर निर्भर हैं। स्थानीय लोगों ने नगर क्षेत्र में आवारा और पागल कुत्तों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए प्रशासन से शीघ्र ठोस कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी अन्य मासूम को इस तरह की भयावह घटना का शिकार न होना पड़े।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

कोतवाली देहात/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के कोतवाली क्षेत्र में पुलिस की सतर्कता से बड़ी वारदात टल गई। जलालपुर क्षुइया रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक बदमाश पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गया, जबकि उसके साथी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, पुलिस संदिग्ध वाहनों की नियमित चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो बाइक सवार युवकों को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन पुलिस को देखते ही

दोनों बदमाश भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। दूसरा बदमाश मौके से फरार होने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे भी दबोच लिया। घायल बदमाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए बदमाशों ने 23 जनवरी और 30 जनवरी को अलग-अलग स्थानों पर एक बाइक और एक युवती से मोबाइल लूटने की घटनाओं को अंजाम दिया था। पुलिस ने दोनों लूटी गई वस्तुओं को बरामद कर लिया है। इसके अलावा बदमाशों के कब्जे से एक तमंचा भी बरामद हुआ है। पुलिस पूरे मामले में विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जेल भेजने की तैयारी में जुटी है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है।

किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे, इंसानियत हर धर्म पर भारी:- एम आर पाशा

शांति, सदभाव व आपसी भाईचारा ही हमारे मुल्क की आन-बान और शान:- एम आर पाशा

बिजनौर (सब का सपना):- राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीप आइकॉन ब्रांड एंबेसडर लोकसभा चुनाव 2024 सदस्य जिला स्तरीय समिति बिजनौर एमआर पाशा ने कहा कि त्यौहारों के मौके पर अतिउत्साह व खुशी में ऐसा कोई काम न करें, जिससे कानून व्यवस्था एवं भाईचारा प्रभावित हो। उन्होंने सभी से अपनी अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने यहां यह भी कहा की पुलिस प्रशासन की सहायता करते हुए असामाजिक तत्वों की सूचना तत्काल पुलिस को देनी चाहिए। साथ ही शांति व्यवस्था एवं भाईचारा के समाजिक जहर घोलने का ऐसा कोई काम न करें जिसमें उसकी

समाजिकता और उसकी इंसानियत पर उंगली उठें, अगर कोई ऐसा काम करता है, तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को देकर भारत का एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दे। उन्होंने कहा कि शांति, सदभाव व आपसी भाईचारा ही हमारे मुल्क की आन-बान और शान की पहचान है। भारत की गंगा जमनी तहजीब की दुनिया भर में मिसाल दी जाती है, इस मिसाल को कायम रखें। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति या संगठन धार्मिक भावनाएं भड़काते हुए समाज को बांटने का काम कर रहा है, वह पूरी तरह से देशद्रोही है। कोई भी सच्चा व अच्छा देशभक्त कभी भी ऐसा काम नहीं कर सकता है, जिससे नफरत को बढ़ावा मिलता हो। उन्होंने कहा कि नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों व संगठनों का सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहिए।

कहा कि भाईचारे में ही सभी की भलाई है। सभी को एक-दूसरे के त्यौहार आपस में मिल-जुलकर मनाने चाहिए। इससे आपस में भाईचारा बढ़ता है और देश मजबूत होता है। त्यौहारों की खुशियों में गरीबों, बेसहारों और दिव्यांगों को भी शामिल किया जाना चाहिए। खुशियां जब ही महत्वपूर्ण होती है, जब हम इसमें दूसरों को शामिल करते हैं।

गन्ने के खेत से मिला गुलदार का शव, वन विभाग ने जताई आपसी संघर्ष की आशंका

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के अफजलगढ़ ब्लॉक क्षेत्र के रामनगर गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब गन्ने के खेत से एक गुलदार का शव बरामद हुआ। खेत में शव मिलने की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। प्रारंभिक जांच में वन विभाग ने गुलदार की मौत आपसी संघर्ष के कारण होने की आशंका जताई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार रामनगर गांव निवासी महेंद्र शर्मा मंगलवार को दुलीचंदपुर रकबे में स्थित अपने खेत में परिजनों के साथ गन्ना छीलने पहुंचे थे। इसी दौरान खेत में गुलदार दिखाई दिया, जिसे

देखकर सभी घबरा गए और तुरंत खेत से बाहर निकल आए। कुछ देर बाद महेंद्र शर्मा ने आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों को बुलाया और दोबारा खेत में जाकर देखा, लेकिन गुलदार ने कोई हलचल नहीं की। ग्रामीणों को जब गुलदार के मृत होने की आशंका हुई, तो तुरंत वन विभाग को सूचना दी गई। कुछ ही देर में मौके पर वन विभाग की टीम पहुंच गई। गुलदार के शव की खबर फैलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को भी बुलाना पड़ा। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार गुलदार का शव करीब एक सप्ताह पुराना प्रतीत हो रहा है और उससे तेज दुर्गंध आ रही थी। रेंजर प्रदीप शर्मा ने बताया कि मृत गुलदार मादा है, जिसकी उम्र लगभग दो वर्ष आंकी गई है। उसके शरीर पर कई जगह जख्म के निशान पाए गए हैं। वन विभाग का कहना है कि प्रथम द्दष्टया गुलदार की मौत किसी अन्य गुलदार या जंगली जानवर के साथ संघर्ष के दौरान हुई प्रतीत होती है। वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोगों ने क्षेत्र में नियमित गश्त व सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

छत पर धूप ले रही 16 वर्षीय किशोरी पर बंदरों ने किया हमला

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- छत पर धूप ले रही 16 वर्षीय किशोरी पर बंदरों ने हमला कर किया, जान बचाने के लिए किशोरी छत से नीचे गिर गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल का एक प्राइवेट चिकित्सा के यहां उपचार किया जा रहा है। नगर में बंदरों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। स्थानीय मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती निवासी कुमारी साक्षी पुत्री स्वर्ग विजय कुमार बुधवार की दोपहर को करीब 3 बजे अपने मकान की छत पर धूप सेक रही थी इसी बीच अचानक छत पर दो-तीन बंदर आप पहुंचे जिन्हें देखकर साक्षी घबरा गई इतना वह साक्षी छत से नीचे उतर पाती इसी बीच बंदरों ने उसे पर हमला बोल दिया साक्षी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग लेकिन कट खने बंदरों ने उसका पीछा नहीं छोड़ा और वह डर के मारे साक्षी छत से नीचे जा गीरी, साक्षी की चीख पुकार सुनकर परिजन दौड़े और घायल साक्षी को उठाकर आनन फानन में साक्षी को उपचार के लिए नगर के ही एक प्राइवेट चिकित्सक के यहां ले गए जहां उसको भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। कटखने बंदरों की इस घटना से बस्ती में दहशत फैली है। उधर बाल्मिक बस्ती के मेहर सिंह बाल्मीकि, मुकेश वाल्मीकि, वार्ड सभासद कपिल पवार, अभिनव वाल्मीकि एडवोकेट, रोहित वाल्मीकि, राजकुमार चावला, आदि का कहना है के वाल्मी वाल्मीकि बस्ती में कट खने बंदरों का आतंक शुरू हो जाता है बंदरों के दर से लोग धूप लेने के लिए चो पर तो क्या घरों के आंगन तक में नहीं बैठ सकते आते जाते लोगों पर भी हमला करने को तैयार रहते हैं उन्होंने नगर पालिका चेयरपर्सन ताहिरा खलील एवं अधिशासी अधिकारी जयसवाल से बाल्मीकि बस्ती में घूम रहे कटखने बंदरों को पकड़वाने की पुरजोर मांग की है।

शबे बारात पर रुहानी माहौल में की गई इबादतें

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर में शबे बारात के मौके पर नगर का माहौल बड़ा ही रूहानी हो गया,इससे रमजान की आमद का अहसास साफ नजर आने लगा। शबे बारात के मौके पर मुस्लिम समुदाय ने अपने घरों व मस्जिदों में देर रात तक अपने रब की रो रो कर इबादत की,और एक बड़ी तादाद में मुस्लिमों ने अपने अपने कब्रिस्तानों में जाकर मरहूमिनों के लिए दुआएं मगफिरत की। बड़ी तादाद में लोगों ने (आज) बुधवार को शबे बारात का रोजा भी रखा। गौरतलब है कि मुसलमान शबे बारात के पन्द्रह दिन बाद आने वाले माह रमजान की तैयारी भी शुरू कर देते है। घरों में महिलाओं व बच्चों ने तिलावतें कलामें पाक शुरू कर दिया है।जबकि मस्जिदों में भी नमाजियों द्वारा तिलावत ए कलाम पाक किया गया। बड़ी तादाद में पुरुषों, महिलाओं,बच्चों ने रोजा रखा।जिससे नगर का माहौल रूहानी हो गया।इस मौके पर देर रात तक लोगों ने मस्जिदों में रात भर जागकर मुल्क की तरक्की,आपसी प्रेम भाईचारे व कौम की यकजहती के लिए रो-रोकर दुआएं की गई,व अपने मरहुमीनों के लिये दुआएं मगफिरत भी की गई।

बेअसर साबित हो रही एंटीबायोटिक दवाएं, इसके पीछे क्या है कारण; कितनी गंभीर है यह समस्या

नई दिल्ली। जब आप बीमार होते हैं तो इस उम्मीद के साथ दवा लेते हैं कि जल्द ही हम अच्छा महसूस करेंगे। लेकिन जिस तरह बैक्टीरिया संक्रमण में ये दवाएं प्रभावहीन साबित हो रही हैं, उससे भविष्य के इलाज को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। बेअसर होती एंटीबायोटिक दवाओं के पीछे क्या है कारण, कितनी गंभीर है यह समस्या और हमें कैसे बरतनी है सतर्कता, आइए जानते हैं विस्तार से.. एंटीबायोटिक्स दवाओं के असर से मुक्त खतरनाक किस्म के संक्रमण में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। विशेषज्ञों की मानें तो तेजी से बढ़ता एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस माडर्न मेडिसिन के भविष्य के लिए अब खतरा बन चुका है। भारत जैसे देशों में गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से दूर बड़ी आबादी के बीच दवा-रोधी संक्रमण का जोखिम कहीं अधिक है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है कि दक्षिण और पूर्व एशिया में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस वैश्विक औसतन की तुलना में लगभग दोगुणा हो चुका है। हर वर्ष वृद्धि हो रही है एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस में (विश्व स्वास्थ्य संगठन की नई रिपोर्ट के अनुसार) 6 में से एक संक्रमण पर सामान्य एंटीबायोटिक्स बेअसर साबित हुई 2023 में, रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें मूत्रमार्ग संक्रमण (यूटीआइ), गोनोरिया और ई.कोलाई के इलाज में प्रयोग होने वाली दवाएं शामिल हैं।

10 लाख लोगों की हर वर्ष मौत होती है एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के चलते, वहीं हर साल 50 लाख मौतों के पीछे एक प्रमुख कारण एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस भी होता है। 3 में से एक संक्रमण एंटीबायोटिक्स के प्रति रेजिस्टेंट होता है दक्षिणपूर्व एशियाई और पूर्वी भूमध्यसागरीय देशों में, जो वैश्विक औसत से दोगुणा और यूरोप के मुकाबले तीन गुणा है। बचाव का कारगर तरीका स्वच्छता की आदत बनाएं, ताकि संक्रमण के शिकार न बनें। जरूरत होने पर ही डाक्टर के परामर्श पर एंटीबायोटिक का प्रयोग करें डॉक्टर के परामर्श पर जरूरी टीकाकरण कराएं। दर्द निवारक दवाएं भी जिम्मेदार! एक रिपोर्ट की मानें तो दर्द निवारक दवाएं भी एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस की वृद्धि का कारण बन सकती हैं। रिसर्च जर्नल एनपीजे के मुताबिक आइबुप्रोफेन और एसिटामिनोफेन ई.कोलाई में म्यूटेशन को बढ़ाते हैं। इससे आम बैक्टीरिया एंटीबायोटिक सिप्रोफ्लोक्सासिन के प्रति अधिक प्रतिरोधी हो जाते हैं। इस अध्ययन से स्पष्ट है कि कई सारी दवाओं के इस्तेमाल से जोखिम बढ़ता है। अधिक उम्र के लोगों को एक साथ दर्द, नींद या ब्लडप्रेशर के लिए दी जाने वाली दवाएं भी आंतों के बैक्टीरिया को एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोधी बनाती हैं। ई. कोलाई से आंत और यूरिनरी ट्रैक्ट जैसे संक्रमण हो सकते हैं। ऐसी दशा में पतले दस्त हो सकते हैं जो कभी-कभी खूनी होते हैं, मतली, उल्टी, पेट दर्द और ऐंठन हो सकती है।

पुरानी दिल्ली के पुनर्विकास को मिलेगी उड़ान, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संभाल ली कमान

नई दिल्ली। चांदनी चौक के पुनर्विकास के पहले चरण के बाद बदहाल हो रही चांदनी चौक समेत पुरानी दिल्ली में विकास की नई परियोजनाओं से फिर से उड़ान मिलने जा रही है। चांदनी चौक को प्राथमिकताओं में गिनाने वाली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अब खुद इसकी कमान संभाल ली है। वह शाहजहांनाबाद पुनर्विकास निगम (एसआरडीसी) की अध्यक्ष बनी हैं। शीला दीक्षित के बाद उसकी अध्यक्ष बनने वाली दूसरी सीएम हैं। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही नई टीम की घोषणा होगी, जिसमें दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद को उपाध्यक्ष तथा विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधि तथा व्यापारी संगठनों का प्रतिनिधित्व हो सकता है। एसआरडीसी के अधिकार तथा उसके प्रति अन्य एजेंसियों की जवाबदेही तय करने के साथ बजटीय आवंटन हो सकता है। औपचारिकता पूरी करने के बाद पुनर्विकास को लेकर बड़ी घोषणा हो सकती है। सीएम ने एसआरडीसी की कमान ऐसे वक्त संभाली हैं, जब पुरानी दिल्ली रेहड़ी-पटरी वालों के अतिक्रमण, लटकते बिजली के तार, जाम, अवैध निर्माण, गंदगी समेत कई अन्य समस्याओं से कराह रही है। न्यायालयों के आदेश अप्रभावी

साबित हो रहे हैं। कमान संभालते ही मुख्यमंत्री ने प्राथमिकताएं गिनाते हुए बताया कि उनकी सरकार पुरानी दिल्ली के समग्र पुनर्विकास और विरासत संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। पुरानी दिल्ली को आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुरानी दिल्ली यानी वाल्ड सिटी का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव पुनर्जीवित करना उनकी सरकार की प्रतिबद्धता है। शाहजहांनाबाद केवल इलाका नहीं, बल्कि दिल्ली की समृद्ध विरासत और इतिहास की पहचान है। वैसे, इस मुगलकालीन शहर का पुनर्विकास मोदी सरकार की प्राथमिकताओं में है। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर खट्टर ने पिछले वर्ष चांदनी चौक का निरीक्षण कर व्यापारियों से मंत्रणा की थी। वहीं, विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने चांदनी चौक के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित करने का संकल्प व्यक्त किया था। यह होंगे काम, सीएम की प्राथमिकता -चांदनी चौक का पुनर्विकास, जामा मस्जिद क्षेत्र, श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग और दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक की सड़क का सौंदर्यीकरण। उन सभी योजनाओं की समीक्षा, ताकि पुरानी दिल्ली को बड़े पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके। -पुरानी दिल्ली की संकरी गलियों में फैले बिजली के तारों को अंडरग्राउंड किया जाएगा, जिससे सुरक्षा बढ़ेगी और क्षेत्र की सुंदरता में भी सुधार होगा। बाजारों में लगने वाले यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए व्यापक यातायात प्रबंधन प्लान तैयार करने के साथ बहुमंजिला पार्किंग सुविधाओं के निर्माण पर जोर होगा। -सड़कों का निर्माण,गलियों को दुरुस्त किया जाए, जर्जर सीवर व्यवस्था में सुधार, पेयजल की निर्बाध आपूर्ति, पुरानी दिल्ली को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाना।

हरियाणा में खेलों से राष्ट्र निर्माण का संकल्प, डॉ. अरविंद शर्मा ने किया 'पीयू ओलंपिक्स' का आगाज

चंडीगढ। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 11 सालों में राजनीति के मायने बदलते हुए एक करोड युवाओं को राजनीति में लाने का विचार दिया है, ताकि हमारे क्षमतावान युवा देश को सशक्त और वर्ष 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि एबीवीपी द्वारा राष्ट्रव्यापी स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम के अभियान के तहत पंजाब युनिवर्सिटी चंडीगढ से स्क्रीन टाइम टू स्पोर्ट्स टाइम की मुहिम चंडीगढ ही नहीं, अपितु हरियाणा और पंजाब में युवाओं में बदलाव लाने का माध्यम बनेगी। बुधवार को पंजाब युनिवर्सिटी, चंडीगढ में एबीवीपी द्वारा आयोजित पीयू ओलंपिक्स खेलों का शुभारंभ करते हुए हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि भारत में खेलों को जो नई दिशा और पहचान मिली है, उसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व है, क्योंकि उन्होंने खेलों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम माना है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में फिट इंडिया मूवमेंट, खेलो इंडिया, ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों को मिलने वाला प्रोत्साहन जैसे उदाहरण इस बात का प्रमाण हैं कि आज केंद्र सरकार खेलों को विकसित भारत की नीति के केंद्र में रख रही है। वो खुद खिलाड़ियों से संवाद करते हैं और उनका मनोबल बढ़ाते हैं। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने एबीवीपी के स्क्रीन टाइम टू स्पोर्ट्स टाइम मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि सशक्त युवा, सशक्त राष्ट्र की भावना के साथ

एबीवीपी के दशकों के प्रयास, मेहनत, करोडों युवाओं के सपनों के प्रहरी के तौर जिम्मेदारी भरे प्रयास किसी से छुपे नहीं है। एबीवीपी महज संगठन नहीं है। एबीवीपी युवा आंदोलन है। एक सप्ताह तक चलने वाले पीयू ओलंपिक्स महज खेलों का उत्सव नहीं है, बल्कि यह युवा भारत के चरित्र, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का उत्सव है। आज मोबाइल हमारी जेब में है, लेकिन खेल का मैदान हमारे जीवन से बाहर होता जा रहा है। जब मोबाइल आपका मालिक बन जाए, तो समझ लीजिए-खतरा शुरू हो गया। गैजेट्स अब हमारी जीवनशैली को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ एक गंभीर चुनौती खडी कर रहे हैं। पीयू ओलंपिक्स का उद्देश्य स्क्रीन टाइम से स्पोर्ट्स टाइम निर्धारित किया गया है, जो वर्तमान समय का सबसे सार्थक और दूरदर्शी संदेश है। पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि खेल मैदान वह स्थान है, जहां शरीर मजबूत होता है, मन संतुलित रहता है और व्यक्तित्व निखरता है। स्क्रीन हमें दुनिया दिखाती है, लेकिन खेल मैदान हमें खुद को पहचानने का अवसर देता है। आज के समय की मांग यह है कि हमारे युवा मोबाइल की स्क्रीन से नजर हटाकर खेल के मैदान की मिट्टी को महसूस करें। पसीने की बूंदों को सम्मान दें और हार-जीत दोनों को जीवन का हिस्सा मानना सीखें। उन्होंने हरियाणा का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में खिलाडियों का प्रदेश बन रहा है। हरियाणा को आज देश ही नहीं, बल्कि दुनिया स्पोर्ट्स पावर हाउस के रूप में जानती है। वर्ष 2014 से अब तक भाजपा सरकार ने 16 हजार 418 खिलाडियों को 683 करोड रूपए नकद पुरस्कार के तौर पर दिए जा चुके हैं। वहीं 231 खिलाडियों को उनकी शिक्षा के अनुरूप सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की हरियाणा सरकार की नीति खिलाड़ी को सम्मान, सुरक्षा और सुनहरा भविष्य देने की है। इस अवसर पर एबीवीपी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री देवदत्त जोशी, छात्र कल्याण डीन डॉ अमित चौहान, एबीवीपी राष्ट्रीय मंत्री आदित्य तकियार, एबीवीपी पंजाब प्रदेशाध्यक्ष डॉ प्रशांत गौतम, क्षेत्रीय संगठन मंत्री गौरव अत्री, प्रदेश मंत्री जसकरण भुल्लर, प्रदेश संगठन मंत्री शमशेर सिंह चौहान, पंजाब विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष गौरववीर सोहल, खेलो भारत संयोजक अर्पिता मलिक आदि उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलिया की नदी में डूबने से हरियाणा-पंजाब के दो युवकों की मौत, घरों के इकलौते चिराग बुझे

करनाल। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में करनाल के युवक साहिल और उसके पंजाब के रहने वाले दोस्त सचिन की नदी में डूबने से जान चली गई। साहिल अपनी पत्नी और उसका दोस्त अपनी मंगेतर के साथ लंबे वीकेंड पर घूमने के लिए आया हुआ था। दोनों युवक जब नदी में नहाने के लिए कूदे तो अचानक पानी का बहाव तेज हो गया और वह पानी में बह गए। आस पास के लोगों व रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें नदी से बाहर तो निकाल लिया लेकिन उनकी जान नहीं बच पाई। यह हादसा 25 जनवरी को शाम करीब 6.45 बजे न्यू साउथ वेल्स के मिड नार्थ कोस्ट स्थित ग्लेनिफर इलाके में नेवर नदी में हुआ।सचिन की पत्नी सात महीने की गर्भवती है, इस हादसे के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई और वह अस्पताल में दाखिल है। साहिल बत्रा और उसकी पत्नी साक्षी 2022 में ऑस्ट्रेलिया गए थे। दोनों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। साहिल और सचिन दोनों ही घर में इकलौते बेटे थे। मौके पर मौजूद सुनीता के अनुसार साहिल और सचिन दोनों ने नदी के किनारे लगा नो डाइविंग का बोर्ड देखा और यह मानकर पानी में उतरे कि जगह उथली है लेकिन अचानक नदी में तेज बहाव आया और वह डूब गए। बता जा रहा है कि दोनों युवक तैरना जानते थे।

सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई विधायक देवेंद्र अत्री की अर्जी, उचाना चुनाव विवाद पर हाईकोर्ट में जारी रहेगी सुनवाई

जींद। देश की सर्वोच्च अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने भाजपा विधायक देवेंद्र अत्री द्वारा दायर की गई स्पेशल लीव पिटीशन को खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद अब पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है।

क्या है पूरा मामला?

उचाना विधानसभा चुनाव में वोटों की गिनती में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। इस चुनौती के खिलाफ भाजपा विधायक देवेंद्र अत्री ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, ताकि हाईकोर्ट की कार्यवाही को रोका जा सके।

अंबाला में दिखेगी 1857 की क्रांति की गाथा, भव्य स्मारक का काम अंतिम चरण में; उद्घाटन के लिए पीएम मोदी को न्योता

अंबाला। अंबाला में निमार्णाधीन शहीदी स्मारक का जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्मारक की भव्यता और निर्माण गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि यह स्मारक शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि पिछले छह वर्षों से जिस परियोजना पर कार्य चल रहा था, वह अब लगभग पूरा हो चुका है। शहीदी स्मारक को बहुत ही शानदार और भव्य तरीके से तैयार किया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियां देश के इतिहास और शहीदों के बलिदान से परिचित हो सकें। उन्होंने कहा कि वर्ष 1857 की आजादी की पहली चिंगारी अंबाला से ही उठी थी और इस स्मारक के माध्यम से उस गौरवशाली इतिहास

को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। मंत्री ने बताया कि स्मारक के अंदर अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यहां अलग-अलग भाषाओं में ऑडियो और तकनीकी माध्यमों से इतिहास को सुना और समझा जा सकता है। स्मारक के प्रत्येक हिस्से में बारीकी से काम किया गया है, जो इसे और भी खास बनाता है। रणबीर सिंह गंगवा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए ऊर्जा एवं परिवहन मंत्री अनिल विज के योगदान की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि शहीदी स्मारक को आकार देने में मंत्री अनिल विज की अहम भूमिका रही है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी और मंत्री अनिल विज को इस ऐतिहासिक परियोजना के लिए बधाई दी। शहीदी स्मारक के उद्घाटन को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी की हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई है और इस स्मारक के उद्घाटन को लेकर बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का भी हरियाणा से विशेष लगाव है और उम्मीद है कि उद्घाटन कार्यक्रम जल्द ही तय किया जाएगा।

अंबाला छावनी में प्रस्तावित डोमेस्टिक एयरपोर्ट के मुद्दे पर मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि इस दिशा में भी काम प्रगति पर है और सरकार लगातार इस परियोजना को आगे बढ़ाने के प्रयास कर रही है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को शहीदी स्मारक से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

हरियाणा में इन कर्मचारियों के रिटायरमेंट नियमों में हुआ बदलाव, अब इस उम्र में होंगे रिटायर

हरियाणा : हरियाणा सरकार ने दिव्यांग और दृष्टिबाधित कर्मचारियों की रिटायरमेंट की आयु में बदलाव किया है। अब इन कर्मचारियों की रिटायरमेंट 60 साल के बजाय 58 साल होगी। वहीं सरकार ने दिव्यांग और दृष्टिबाधित कर्मचारियों के लिए हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) संशोधन नियम, 2026 के रूप में एक नई रोजगार व्यवस्था लागू की है। वित्त विभाग की ओर से इसकी मंजूरी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि 70% या उससे अधिक विकलांगता वाले दिव्यांग कर्मचारी और दृष्टिहीन कर्मचारी" 58 वर्ष की आयु में रिटायर होंगे। हालांकि इस बदलाव में ग्रुप-डी के कर्मचारियों और न्यायिक अधिकारियों को राहत दी गई है। ग्रुप डी के कर्मचारी और न्यायिक अधिकारी 60 वर्ष की आयु में रिटायर होते रहेंगे। नए बदलाव के अनुसार एक-आंख वाले कर्मचारियों को "अंधे" या दिव्यांग व्यक्तियों के रूप में नहीं माना जाएगा। वे भी 58 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होंगे। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से सभी विभागों में लागू कर दिया गया है।

करनाल में बदमाशों के निशाने पर अमेरिका में रह रहे युवक का परिवार, घर और ब्यूटी पार्लर पर बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां

करनाल। फुसगढ़ रोड स्थित एक घर पर देर रात को बदमाशों ने गोलियां चला दी। घर में ही ब्यूटी पार्लर भी खुला हुआ था। बदमाशों ने चार से पांच गोलियां चलाई है। जिसमें कुछ गोली ब्यूटी पार्लर की दुकान के शीशे में लगी तो कुछ मकान की दीवार पर लगी। रात को घर के सदस्यों व पड़ोसियों ने सोचा था कि गाली में पटाखे बज रहे हैं लेकिन सुबह पता चला कि गोलियां चली थी। इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस की सीआईए सहित अन्य टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। जिस घर पर गोलियां चलाई गई हैं। उस घर का बलकार करीब तीन साल पहले डंकी रूट से अमेरिका चला गया था। इसके लिए उसने 40 से 50 लाख रुपये खर्च किए थे। बलकार अमेरिका में ड्राइवर का काम करता है। उसका बड़ा भाई गांव में ही रहता है। ग्रामीण रजत लाठर ने बताया कि घटना के समय घर में बलकार की मां राजपती और पत्नी सीमा मौजूद थीं। नीचे की दुकान को ब्यूटी पार्लर के लिए किराये पर दिया हुआ है। फिलहाल गोली चलाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। परिवार के ओर से भी न तो कोई पुरानी रंजिश की बात कही गई और न ही कोई रंगदारी की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। गोली किसने चलाई है। इसके लिए सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है।

STF ने 121 युवाओं को गैंगस्टर जाल से निकालकर दी नयी जिंदगी

चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस की स्पैशल टास्क फोर्स (एस.टी.एफ.) ने संगठित अपराध और गैंगस्टर नैटवर्क के विस्तार पर निर्णायक प्रहार करते हुए व्यापक निवारक एवं सुधारात्मक अभियान के तहत राज्यभर में 121 ऐसे युवाओं की पहचान कर उन्हें सही दिशा में लाने में कामयाबी हासिल की जो विभिन्न माध्यमों से हरियाणा की प्रमुख आपराधिक गिरोहों के संपर्क में पाए गए। एस.टी.एफ. की गहन तकनीकी एवं फील्ड स्तरीय निगरानी में सामने आया कि ये युवक बदमाश गिरोह नैटवर्क से जुड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय थे और उनकी गतिविधियों के प्रति आकर्षण प्रदर्शित कर रहे थे। बदमाश और उनके सहयोगी युवाओं को लोभ और लालच के माध्यम से अपने जाल में फंसाते थे। उन्हें सोशल मीडिया और निजी संपों के जरिए अपराध की एक झूठी चमक धमक भरी दुनिया दिखाई

जाती थी, जहां जल्दी पैसा, डर के सहारे बनाई गई पहचान और रुतबे को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जाता था। कई मामलों में बदमाश युवाओं की पुरानी रंजिशों, व्यक्तिगत विवादों अथवा भावनात्मक कमजोरियों का फायदा उठाते थे। उनमें बदले की भावना को जानबूझ कर भड़काया जाता था। यह मार्ग युवाओं को केवल हिंसा, कानूनी कार्रवाई और जीवनभर के पछतावे की ओर ले जाता है। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए एस.टी.एफ. ने दंडात्मक कार्रवाई की बजाय परामर्श और सुधार को प्राथमिकता देते हुए सभी 121 युवाओं को एक सुनियोजित काऊंसलिंग प्रक्रिया में शामिल किया। काऊंसलिंग सैशन में युवाओं को अपराध की राह पर जाने के बाद आने वाले कानूनी, सामाजिक और पारिवारिक दुष्परिणामों से अवगत करवाया गया। उन्हें जेल में बंद बदमाशों की वास्तविक स्थिति, उनके परिवारों की सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों और टूटते पारिवारिक ढांचे के उदाहरणों के माध्यम से अपराध की सच्चाई से रू-ब-रू कराया गया। युवाओं को सही मोड़ पर लाना सबसे बड़ी चुनौतीः डी.जी.पी.: पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती युवाओं को उस मोड़ पर सही दिशा देना है, जहां से वे या तो राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बन सकते हैं या फिर अपराध के दलदल में फंस सकते हैं। एस.टी.एफ. द्वारा 121 युवाओं की समय रहते पहचान कर उन्हें परामर्श के माध्यम से संगठित अपराध से दूर रखना केवल एक पुलिस कार्रवाई नहीं बल्कि समाज को सुरक्षित रखने की दूरदर्शी पहल है। सिंघल ने स्पष्ट किया कि हरियाणा पुलिस का लक्ष्य अपराधियों को दंडित करने के साथ-साथ उन युवाओं को बचाना है, जो भटकाव की कगार पर हैं।

बीजेपी विधायक को बड़ा झटका, SC ने ठुकराई याचिका, जानें क्या है पूरा मामला

जींद : जींद जिले की उचाना विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक (BJP MLA) देवेंद्र अत्री को सुप्रीम कोर्ट (Supreme Court) से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी विधायक की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने वोटों की दोबारा गिनती किए जाने पर रोक लगाने की मांग थी। बता दें कि देवेंद्र अत्री ने 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र सिंह को मात्र 32 वोटों से हराया था। उसके बाद उचाना विधानसभा चुनाव में वोटों की गिनती को लेकर कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसके खिलाफ देवेंद्र अत्री ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, ताकि हाईकोर्ट की कार्यवाही को रोका जा सके। इसके लिए स्पेशल लीव पिटीशन दायक की थी, जिसको सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

शादी के बंधन में बंधे ओलिंपियन पहलवान दीपक पूनिया, बहादुरगढ़ में पिता के दोस्त की बेटी संग लिए 7 फेरे

बहादुरगढ़ : ओलम्पियन पहलवान दीपक पूनिया शादी के बंधन में बंध गए हैं। बहादुरगढ़ के हिल्टन रिजॉर्ट में हिन्दू रीति रिवाजों के साथ शादी समारोह संपन्न हुआ। दीपक ने अपने पिता के दोस्त की बेटी संग सात फेरे लिए। दीपक की दुल्हन शिवानी झज्जर जिले के गांव निलोठी की रहने वाली हैं। फिलहाल वह संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही हैं, उनका क्अर अफसर बनने का सपना है। दीपक और शिवानी की सगाई 8 सितंबर 2025 को हुई थी। 2 फरवरी को झज्जर के धनखड़ फॉर्म हाउस में लग्न टीके का प्रोग्राम हुआ। यहां दीपक ने सिर्फ एक रुपए का चांदी का सिक्का लिया। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शाम साढ़े 4 बजे छारा गांव से बारात निकल गई। करीब 5 बजे बारात रिजॉर्ट में पहुंची। यहां गेस्ट से परिचय करने के बाद शादी की आगे की रस्म निभाई जाएगी। दीपक पूनिया का जन्म 19 मई, 1999 को झज्जर जिले के छारा गांव में हुआ। बचपन से ही कुश्ती उनके खून में रही, क्योंकि उनके पिता सुभाष भी स्थानीय स्तर पर पहलवान रहे। दीपक को महज 5 साल की उम्र में अखाड़े में दाखिल कराया। इसी दौरान उन्हें गांव में केतली पहलवान का उपनाम मिला, क्योंकि उन्होंने एक बार दूध पीते-पीते पूरी केतली ही खाली कर दी थी। बचपन के दंगल मुकाबलों से लेकर दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम तक दीपक का सफर यादगार रहा। टोक्यो ओलिंपिक 2021 में दीपक ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में मामूली अंतर से हारकर पांचवें स्थान पर रहे। यह हार उनके लिए भावनात्मक रही, क्योंकि कुछ ही महीने पहले उन्होंने अपनी मां को खो दिया था और वे पदक उन्हें समर्पित करना चाहते थे। मगर, इस हार ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि और मजबूत बनाया। एक साल बाद 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया। सूबेदार दीपक पूनिया फ्रीस्टाइल पहलवान हैं, वह भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारी हैं, और 86 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हैं। उन्होंने 2019 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में गोल्ड जीता। 2022 की एशियाई खेलों में भी सिल्वर मेडल जीता। पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि दीपक को प्रो रेसलिंग लीग में महाराष्ट्र की टीम में शामिल किया गया। दीपक पूनिया को ग्रेड ए के पहलवानों में शामिल किया गया और बेस प्राइस 12 लाख रुपए रखा गया था। हालांकि, अपनी शादी के कारण दीपक ने PWL नहीं खेला। दीपक के पिता सुभाष पूनिया ने बताया कि शिवानी के पिता अनूप सिंह प्रॉपर्टी का काम करते हैं। जब दीपक अखाड़े में प्रैक्टिस करने जाता था, वहीं अनूप सिंह से मुलाकात हुई। कई बार मुलाकातें हई और 2020 में दोस्ती हो गई। जब बेटे के लिए रिश्ते आने लगे तो मैंने अनूप से कहा कि अपना बेटा है, आपकी बेटी है, क्यों न दोस्ती को रिश्तेदारी में बदल लें।

संयुक्त किसान मोर्चा कन्याकुमारी से कश्मीर तक करेगा जागृति यात्रा, 7 फरवरी से होगी शुरूआत

सोनीपत : सोनीपत किसान जागृति यात्रा 7 फरवरी को कन्याकुमारी से शुरू होकर कश्मीर तक जाएगी। इसका समापन 19 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत के साथ होगा। यात्रा के दौरान विभिन्न राज्यों में किसान महापंचायतें, किसान सम्मेलन, पैदल मार्च, ट्रैक्टर मार्च और स्वागत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। किसानों की लंबित मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चे की तरफ से किसान जागृति यात्रा का आह्वान किया गया है। इस यात्रा की शुरूआत 7 फरवरी को ऐतिहासिक स्थल कन्याकुमारी से होगी। इसके बाद यह कश्मीर तक समर्थन जुटाएगी। बुधवार को इस संबंध में सोनीपत में संयुक्त किसान मोर्चे के पदाधिकारियों ने एक प्रेसवार्ता कर देश के किसानों से व्यापक समर्थन की अपील की है। प्रेसवार्ता में भारतीय किसान यूनियन सर छोटू राम के उत्तर प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र त्यागी व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सोनवीर सिंह चाचा ने यात्रा व किसानों के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। वरिष्ठ किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों की वर्षों से लंबित महत्वपूर्ण मांगों

को पूरा करवाने के लिए भारत के गांव-गांव में चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि किसान जागृति यात्रा 7 फरवरी को कन्याकुमारी से शुरू होकर कश्मीर तक जाएगी। इसका समापन 19 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान महापंचायत के साथ होगा। यात्रा के दौरान विभिन्न राज्यों में किसान महापंचायतें, किसान सम्मेलन, पैदल मार्च, ट्रैक्टर मार्च और स्वागत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। दिल्ली की किसान महापंचायत में पूरे देश से एकत्र किए गए हस्ताक्षरयुक्त समर्थन पत्र भारत सरकार को सौंपे जाएंगे। प्रेसवार्ता में किसान नेताओं ने अमेरिका-भारत के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भी गंभीर चिंता जताई। इस दौरान राजवीर सिंह, सतनाम सिंह बेहरू, अनिल तालान, नितिन बाल्यान, सुखदेव भोजराज, हाफिज खान, हरसुलिन्दर सिंह, सोनू औलख, हर्षदीप सिंह गिल, वीरेंद्र पहल, बुधराम कोहाड़, शक्ति दहिया, देशपाल रोहणा, और अभिमन्यु कोहाड़ आदि भी उपस्थित रहे।

हरियाणा में घने कोहरे का यलो अलर्ट, कई जिलों में विजिबिलिटी जीरो, जानें मौसम का पूवार्नुमान

हरियाणा के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। उत्तर भारत के इलाकों में मौसम बदलने से कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। आज सुबह से ही पानीपत और कैथल सहित कई जिलों में जीरो विजिबिलिटी है। राहत की बात यह है कि आगामी 4 दिनों तक राज्य में बारिश की कोई संभावना नहीं है। इस साल 1 जनवरी से 3 फरवरी तक प्रदेश में अच्छी बारिश दर्ज की गई है। अब पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर पड़ने के बाद अब बर्फीली उत्तर-पश्चिमी हवाओं ने मैदानी इलाकों में दस्तक दी है, जिससे रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। घने कोहरे की वजह से बीते दिन प्रदेश में कई सड़क हादसे भी हुए। बढ़ेगा तापमान मौसम विभाग के मुताबिक सूबे में अभी ठंड रहेगी। रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। अगले सप्ताह से तापमान में धीरे-धीरे बदलाव देखने को मिलेगा। फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। इस महीने में बारिश की संभावना नहीं है। इस कारण तापमान में उछाल दिखेगा। वहीं लगातार गिरते तापमान और कोहरे को देखते हुए सरसों की फसल में सफेद रतुआ और अल्टरनेरिया ब्लाइट लगने की आशंका है। इसके बचाव के लिए फफूंदनाशक का छिड़काव करें। जिसके फसल का बचाव होगा।

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के फाइनल में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस मैव में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने इस टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने गुजरात जायंट्स को एलिमिनेटर मुकाबले में सात विकेट से हराकर चौथी बार फाइनल में जगह बनायी है। वहीं लीग की अंकतालिका मे शीर्ष प रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया।

एलीमिनेटर मुकाबले में दिल्ली ने पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट पर 168 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 रन और लौरा वोल्वर्डट ने 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये। वहीं जायंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो विकेट लिए।

इस सत्र में आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में आरसीबी ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनायी थी। सत्र सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से हराया था। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी ने तीन मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु– स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स– जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान),शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्नुजाना।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की ईशा ने जीते दो स्वर्ण, पुरुष वर्ग में सम्राट को मिला कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते है। ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया ओलंपियन ईशा ने फाइनल में शुरुआत में पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल कर स्वर्ण पर निशाना लगाया। उन्होंने चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग 235.4 और यू ऐ वेन 217.7 को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही ईशा ने सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण जीता है। वहीं भारत की ही सुरुचि सिंह फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि ने 576 अंक, जबकि ईशा और मनु ने 575-575 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सुरुचि 576, मनु 575 और ईशा 575 की तिकड़ी ने कुल 1726 अंक जुटाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। वियतनाम और चीनी ताइपे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।वहीं पुरुष वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत के विश्व चैंपियन सम्राट राणा से फाइनल में असफल रहे और 220.3 अंक के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर पाये। उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव ने स्वर्ण पदक जीता।पुरुष टीम स्पर्धा में सम्राट राणा 581, श्रवण कुमार 578 और वरुण तोमर 573 ने कुल 1732 अंक हासिल किये।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं।

वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी।

ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ कारेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे।

इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा। न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है, जिसमें अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल। न्यूजीलैंड टीम 8 फरवरी को अफागानिस्तान, 10 फरवरी को यूएई, 14 फरवरी को साउथ अफ्रीका और 17 फरवरी को कनाडा के विरुद्ध खेलेगी।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग : ईशान किशन की बड़ी छलांग, टॉप-10 में ये तीन भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ताज़ा सूची में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉप-10 में जगह बनाए हुए हैं और तिलक वर्मा भी बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल हैं। इसी बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी सीरीज के बाद 32 पायदान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बाएं हाथ के ईशान किशन ने महज तीन मैचों में 207 रन बनाए, जिसमें उनका पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी शामिल रहा। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जारी हुई इस रैंकिंग ने किशन की मजबूत फॉर्म पर मुहर लगा दी है।

सूर्यकुमार यादव को फायदा, अभिषेक शर्मा कायम शीर्ष पर

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी रैंकिंग में आगे बढ़ते हुए पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, युवा ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

साइम अयूब बने नंबर-1 टी20द्ध ऑलराउंडर

पाकिस्तान के ओपनर साइम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर टी20द्ध ऑलराउंडर्स रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान ने यह सीरीज 3-0 से जीती थी, जिसमें 23 वर्षीय अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी झटके। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को शीर्ष स्थान से हटाया।

पाकिस्तानी गेंदबाजों को भी फायदा

पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अब्रार अहमद ने भी बड़ी छलांग लगाते हुए गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। वह शीर्ष पर काबिज वरुण चक्रवर्ती से अब सिर्फ 28 अंक पीछे हैं। ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने सीरीज में पांच विकेट लिए थे, गेंदबाजों की सूची में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

इंग्लैंड के लेग-स्पिनर आदिल राशिद दो पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर आठ स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की टॉप-10 सूची में भी बदलाव देखने को मिला–इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो बटलर तीसरे स्थान पर पहुंचे, श्रीलंका के पथुम निसांका पांचवें और न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट नौवें स्थान पर पहुंच गए।

दक्षिण अफ्रीका के ओपनर रयान रिकेल्टन ने 42 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 16 पायदान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए। शानदार शतक जड़ने वाले क्विंटन डी कॉक को भी फायदा मिला और वह 15 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए।

बार्सिलोना ने अल्बासेटे को 2–1 से हराकर कोपा सेमीफाइनल में

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक–एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2–1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नोमेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नोमेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है।

जसप्रीत बुमराह– बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह– अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्कारणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था।

आर अश्विन–पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज़्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भी श्रीलंका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

कोलंबे (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंकाई टीम को करीबी मुकाबले में 12 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मुकाबले भी श्रीलंकाई टीम हारी थी। टी20 विश्वकप के ठीक पहले मिली इस करारी हार से श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। इससे उसकी विश्वकप के लिए तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीसरे टी20 में सैम करन की करन के 48 गेंदों में 58 रनों की सहायता से इंग्लैंड की टीम ने 128 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का सामना करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 116 रनों पर ही आउट हो गयी और इस प्रकार 12 रनों से मैच हार गयी। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर टीम के बल्लेबाज असफल रहे। पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 28 रन ही बना पायी।

सैम करन के 58 रनों की पारी के अलावा कई अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 3 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सैम करन के अलावा जोस बटलर ने 25 और लियाम डॉसन ने 14 रन बनाए। इसके बाद 129 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजी भी ढ़ेर हो गयी। उसके पांच बल्लेबाजों ने दो अंकों को पार किया पर कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। , कुसल मेंडिस ने 26 रन , पथुम निसंका ने 23 जबकि जनित लियानगे ने 17 रन बनाये, कमिंदु मेंडिंस ने 14 जबकि पवन रथनायके ने 13 रन बनाये। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने 4 जबकि विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत–पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर। पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत–पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनो के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) करती है।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में जीत से शुरुआत की

लानुसिया (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज उतरे हैं। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिये हैं। भारत के हितेश गुलिया ने पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में अपने जबरदस्त प्रहारों से नीदरलैंड के फिन बोस को 5–0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ 5–0 से आसान जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट में प्रीति के अलावा भारत ही प्राची ने 57 किग्रा और प्रिया ने 60 किग्रा भार वर्ग में स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5–0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। भारत की की काजल ने 65 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4–1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग में हितेश के अलावा सचिन ने 60 किग्रा भार वर्ग में मेजबान स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5–0 से हराया जबकि जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 60 किग्रा वर्ग में डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4–1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल 65 किग्रा भार वर्ग में डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को एकतरफ मुकाबले में 5–0 से हराने में सफल रहे। इसके अलावपा दीपक, आकाश और अंकुश भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये है। दीपक ने 70 किग्रा भार वर्ग में बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी को 4–1 से हराया। वहीं आकाश ने 75 किग्रा और अंकुश ने 80 किग्रा भाग वर्ग में भी 4–1 के अंतर से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि टीम इंडिया के पास अनुभव, कौशल और संतुलन का सही मिश्रण है।

धोनी ने इस बात पर जोर दिया कि टीम की ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि खिलाड़ी दबाव वाली स्थितियों को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं और उनका रोल कितने अच्छे से तय है। खिलाड़ी हमेशा मैच के लिए तैयार रहते हैं, चाहे वह बैटिंग हो या बॉलिंग, जिससे भारत को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिलती है।

धोनी ने कहा, 'यह सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। आप जानते हैं, उन्होंने (भारतीय खिलाड़ी) पहले ही बैटिंग या बॉलिंग शुरू कर दी होगी, लेकिन एक अच्छी टीम में क्या चाहिए? सब कुछ है। उनके पास अनुभव है। खासकर जब इस फॉर्मेट की बात आती है, तो अनुभव बहुत ज्यादा है। उन्होंने दबाव में खेला है। जो भी खिलाड़ी टीम में जो भी भूमिका निभा रहे हैं, वे काफी समय से उस स्थिति में रहे हैं।'

हालांकि धोनी आशावादी नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे सावधानी से बनाई गई योजनाओं को भी खराब कर सकती है। माही के मुताबिक, ओस परिस्थितियों को काफी प्रभावित कर सकती है। टॉस के फैसलों को महत्वपूर्ण बना सकती है, जिससे मैचों में संभावित रूप से अनुचित फायदे हो सकते हैं।

धोनी ने कहा, 'मुझे किस बात की चिंता है? मुझे ओस से नफरत है। ओस बहुत सी चीजें बदल देती है। इसलिए, जब मैं खेलता था, तो एक चीज जो मुझे सच में डराती थी, वह थी ओस। अगर हम कुछ बेहतरीन टीमों के साथ 10 मैच खेलते हैं, तो हम ज्यादातर बार विजेता बनकर उभरेंगे। अगर स्थितियां न्यूट्रल रहती हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि टी20 क्रिकेट अप्रत्याशित होता है, जहां एक खराब खेल या विपक्षी टीम का शानदार प्रदर्शन परिणाम को पूरी तरह से बदल सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'समस्या तब होती है जब आपके कुछ खिलाड़ी अच्छा नहीं खेलते और विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है। टी20 ग्रुप में ऐसा हो सकता है। तो, यही वह समय है। चाहे यह लीग स्टेज में हो, चाहे यह नॉकआउट स्टेज में हो, यहीं पर दुआओं की जरूरत होती है। आप जानते हैं, किसी को चोट नहीं लगनी चाहिए। जो भी भूमिकाएं दी गई हैं, लोगों को टीम के लिए अपनी भूमिकाएं निभानी चाहिए।'

शनाका की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी श्रीलंकाई टीम, मेंडिस की वापसी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने सात फारवरी से शुरु हो रहे टीम 20 विश्वकप 2026 के लिए दासुन शनाका की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कामिंदु मेंडिस की भी वापसी हुइ है। मेंडिस ने नवंबर 2025 के बाद से ही नहीं खेला है। अब तक खेले गए 35 टी20 मैचों में कामिंदु मेंडिस ने 3 अर्धशतक के साथ ही 540 रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अवसर दिया है। वहीं धनंजय डी सिल्वा को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने अनुभवी ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को टीम में शामिल नहीं किया है। सिल्वा का प्रदर्शन इस साल की शुरुआत से ही अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाए और गेंदबाजी में भी केवल एक ही विकेट ले पाये थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में प्रभावित न कर पाने से चयनकर्ताओं ने उन्हें 15 सदस्यीय स्क्वॉड से बाहर रखा है। वहीं शनाकाको को अनुभवी होने के कारण कप्तानी दी गई है। टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 123 टी20 मैचों में 1743 रनों के अलावा 43 विकेट भी लिए हैं। ईशन मलिंगा को भी टीम में शामिल किया है हालांकि उनके खेलने का फैसला फिट होने पर लिया जाएगा। उनकी फिटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की अ20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंधे में चोट लगी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। टीम की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका और कुसल परेरा पर निर्भर करेगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ी पवन रत्नायके को भी टीम में जगह मिली है, जिन्होंने हाल के समय में टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है।

ओ रोमियो के लिए एविनाश तिवारी ने सीखे फ्लेमेंको मूव्स

लैला मजनू की दर्दभरी शिद्दत हो, मडगांव एक्सप्रेस की कॉमिक टाइमिंग, खाकी- द बिहार चैप्टर की सख़्ती या द मेहता बॉयज़ का ड्रामा ङ्क एविनाश तिवारी ने अपने काम से हर बार ये साबित किया है कि वो इमोशन्स और रेंज के खिलाड़ी हैं. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा गहराई और असर के लिए सराही गई है. लेकिन इस बार जो सामने आया, वो थोड़ा हटकर है। विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म ओ रोमियो की तैयारी में एविनाश ने फ्लेमेंको डांस को भी अपना हथियार बनाया। हाल ही में एविनाश ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो फ्लेमेंको डांस करते नज़र आ रहे हैं. इसी आर्ट फॉर्म के ज़रिए उन्होंने अपने किरदार जलाल को गढ़ा है, जो फिल्म में एक माटाडोर और एंटैगनिस्ट है। जलाल की खतरनाक मौजूदगी सिर्फ हिंसा से नहीं, बल्कि कंट्रोल और ठहराव से आती है। वीडियो में एविनाश की सीधी खड़ी देह, तेज़ फुटवर्क और भीतर दबा तनाव साफ महसूस होता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, स्पेन जाने से पहले। भाषा सीखने से पहले। शरीर पहले ही सब जानता था। ओ रोमियो की तैयारी की एक झलक। फिल्म में फ्लेमेंको का हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन उसकी तैयारी बिल्कुल भी छोटी नहीं थी। एक अहम सीन के लिए एविनाश ने स्क्रीन पर फ्लेमेंको किया, हालांकि वो सीन फिल्म में रहेगा या नहीं, ये अभी देखना बाकी है। इस ट्रेनिंग का मकसद था माटाडोर की बॉडी लैंग्वेज को समझना ङ्क जलाल कैसे ज़मीन पर टिककर खड़ा होता है। कैसे सोच-समझकर आगे बढ़ता है और कैसे ख़ामोशी में भी खतरा बनाए रखता है। इतना तो साफ है कि डांस-ड्रिवन फिल्मों में भी एविनाश की ज़बरदस्त संभावना है, जो उनकी वर्सेटिलिटी की एक और झलक देती है। ओ रोमियो में अपने इस फियरस और ट्रांसफॉर्मेटिव रोल को लेकर पहले से ही चर्चा में बने एविनाश के पास आगे इम्तियाज़ अली की ओ साथी रे और प्रशांत झा की गिन्नी वेड्स सनी 2 भी हैं। ये सब मिलकर उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और एक्साइटिंग एक्टर्स में और मज़बूती से खड़ा करता है।

साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया उसके लिए मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म दृश्यम 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।

श्रिया सरन का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म इष्टम से डेब्यू किया। वह छत्रपति, शिवाजी, पोक्किरी राजा और मनम जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर दृश्यम फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज स्पेस जेन- चंद्रयान में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में दृश्यम 3 में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

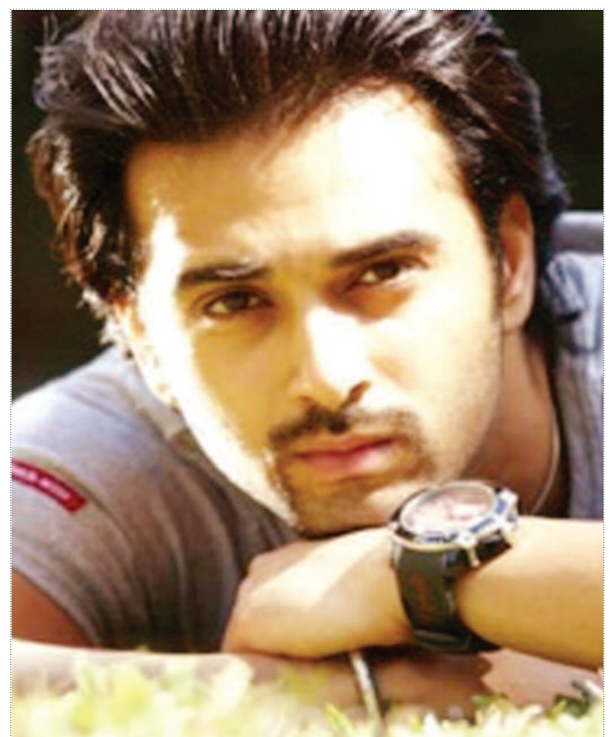

हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में नजर आने वाले हैं पुलकित

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है।

पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

कोहरा 2 से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी। मोना ने कहा, इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।

कोहरा 2 में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।